चैत्र शुक्ल पक्ष- पूर्णिमा, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 266 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

दोपहर मेट्रो

भोपाल, गुरुवार 02 अप्रैल, 2026

हनुमान जन्मोत्सव की शुभकामनाएं

ईरान जंग के साइड इफेक्ट्स : भारतीय अमीरों के जेहन में सवाल, दुबई पहले जैसा कब हो पाएगा ?

अब हो रहा अहसास... सारे जहां से अच्छा हिंदोस्तां हमारा

दोपहर मेट्रो पड़ताल

● राजेश सिरोठिया

भारत से पलायन करके दुबई जाने वाले भारतीय करोड़पतियों की संख्या 2013 से 2023 के बीच 85 फीसदी बढ़ी थी। इसके बाद 2024 में तकरीबन 4 हजार 300 तथा 2025 में साढ़े तीन हजार भारतीय करोड़पति दुबई में बसे। भारी भरकम टैक्स से बचने बेहतर निवेश की संभावनाओं के चलते वहां बसे भारतीय अब ईरान की जंग का दंश झेलने को मजबूर हैं। वो भारी पसोपेश में हैं कि अपने वतन लौटें या फिर खाड़ी मुल्कों की मुसीबतों को झेलते हुए एक बार फिर सुनहरे दुबई का ख्वाब संजोकर वहीं बने रहें।

एक मोटे अनुमान के तहत वर्ष 2026 की शुरुआत तक, संयुक्त अरब अमीरात में रहने वाले नौ प्रमुख भारतीय प्रवासी, विश्व के अरबपतियों की फ़ोर्ब्स की सूची में शुमार किये गए थे। इनकी कुल संपत्ति 49.9 अरब डॉलर थी। इनमें नामचीन कारोबारी और उनके कारिंदों में विनोद अदानी का नाम सबसे ऊपर था। वह अदानी समूह से जुड़ी विदेशी संस्थाओं से संबंध रखते हैं। इनके अलावा लुलू इंटरनेशन ग्रुप के अध्यक्ष एमए यूसुफ अली, लैंडमार्क ग्रुप की प्रमुख रेणुका जगतानी, आरपी ग्रुप के संस्थापक रवि पिल्लई, शोभा ग्रुप के पीएनसी मेनन तथा फाइव होल्डिंग के संस्थापक कबीर मूलचंदानी प्रमुख शख्सियतों में शुमार थे। वहां जाने की बड़ी वजहों में जो कारक काम कर रहे थे उनमें संयुक्त अरब अमीरात में व्यक्तिगत आयकर का प्रावधान नहीं होना,

गोल्डन वीसा धारकों के लिए निवेश और पांच से दस साल तक के दीर्घकालिक निवास की सहूलियत के साथ ही निवेशकों के लिए अनुकूल माहौल और वैश्विक बाजारों तक आसान पहुंच जैसे आकर्षक ऑफर थे। बेहतरीन लाइफस्टाइल, उच्च सुरक्षा मानक, बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएँ और भारत से निकटता भी बड़ी वजह थीं। लेकिन ईरान की जंग के बाद सुरक्षा और बेहतर जीवन की संभावनाएं काफूर हो चुकी हैं। युद्ध की कीमत की भरपाई के लिए यूएई में टैक्स लगने की आशंका उनके सपनों को मिट्टी में मिलाती दिख रही हैं। दुबई कब अपनी पुरानी राह पर लौटेगा , यह सवाल रह-रहकर वहां बसे भारतीय अमीरों के जेहन में घुमड़ रहा है।

बॉलीवुड की हस्तियों ने भी माना था बेहतर मुकाम

भारतीय फिल्म उद्योग की ऐसी नामी हस्तियों की लंबी फेहरिश्त है, जिन्होंने भारत में रहते हुए दुबई में भारी निवेश किया। मुख्य रूप से लग्जरी रियल एस्टेट, आतिथ्य और व्यावसायिक उद्यमों में। अक्सर दीर्घकालिक निवास के लिए यूएई के गोल्डन वीजा जैसी सुविधाओं के साथ यह उनके लिए शानदार डेस्टीनेशन बन गया था। दुबई की मशहूर पामेरा जुमेराह में भारत के बॉलीवुड किंग शाहरुख खान की आलीशान विला 'जन्नत' का नाम सबके दिमाग में है। वह दुबई पर्यटन के ब्रांड एंबेसडर हैं और उन्होंने ब्रांडेड रियल एस्टेट परियोजनाओं की शुरुआत की है, रास अल खैमाह में शाहरुख खान बुलेवार्ड और दुबई में रॉयल एस्टेट जैसे बड़े निवेश शामिल हैं। लेकिन कई ऐसे बॉलीवुडके सितारे हैं, जिनके दुबई कनेक्शन का अंदाजा अधिकांश लोगों को शायद न हो। इनमें अभिनेता विवेक ओबेरॉय बीएनडब्ल्यू डेवलपमेंट्स के सह-संस्थापक हैं। उनके दुबई और रास अल खैमाह में लक्जरी रियल एस्टेट प्रोजेक्ट हैं। संजय दत्त भी गोल्डन वीसाधारक हैं। उनका वहां व्यावसायिक उद्यमों और संपत्ति में निवेश है। वह दुबई को अपना दूसरा घर बताते हैं। शिल्पा शेट्टी और राज कुंद्रा पहले बुर्ज खलीफा में एक अपार्टमेंट के मालिक थे। अब पाम जुमेराह में उनका एक विला भी है। अभिषेक बच्चन और ऐश्वर्या राय बच्चन का सैंक्चुअरी फॉल्स में निवेश है तो जुमेराह गोल्फ एस्टेट्स में दोनों एक शानदार विला के मालिक हैं। अनिल कपूर का अल फुरजान सोसायटी में 2 बीएचके अपार्टमेंट है, तो उनके बड़े भाई फिल्म निर्माता और स्व श्रीदेवी के पति बोनी कपूर को भी अपने परिवार के साथ गोल्डन वीजा मिला है। वह यूएई में फिल्म निर्माण के प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं। मलाइका अरोरा का दुबई के पलाजो वर्साचे में झील किनारे कॉटेज विला है । हास्य कलाकार कीकू शारदा भी कहां पीछे रहे। उनका दुबई में डेन्यूब ओपल्ज परियोजना में निवेश है।

मीत ब्रदर्स यानि मनमीत और हरमीत सिंह जो बॉलीवूड की मशहूर संगीतकार जोड़ी है, ने दुबई में स्काइज टॉवर परियोजना में अपार्टमेंट खरीदे हैं। आशा भोसले वहां एक लग्जरी रेस्टोरेंट चलाती हैं। राखी सावंत ने एक एक्टिंग स्कूल खोल रखा है। प्रीति झिंगयानी एक स्पोर्ट्स अकादमी चलाती हैं। भारत की टेनिस स्टार रहीं सानिया मिर्जा की दुबई में आलीशान हवेली है। तेजस्वी प्रकाश और करण कुंद्रा का दुबई के मध्य में स्थित एक आलीशान अपार्टमेंट में निवेश है ।

न्यूज विंडो

नासा ने आर्टेमिस-2 मिशन को सफलतापूर्वक किया लॉन्च

वॉशिंगटन। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने आर्टेमिस-2 मिशन को सफलतापूर्वक लॉन्च कर दिया है। फ्लोरिडा के कैनेडी स्पेस सेंटर से एसएलएस रॉकेट ने 'इंटीग्रिटी' नाम के ओरियन कैप्सूल को अंतरिक्ष में पहुंचाया। भारतीय समय के अनुसार यह लॉन्चिंग गुरुवार सुबह 4:05 बजे हुई। इस मिशन के साथ ही इंसान करीब 54 साल बाद एक बार फिर चांद की दिशा में कदम बढ़ा रहा है। इस मिशन को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने नासा के आर्टेमिस 2 मिशन के सफल प्रक्षेपण पर नासा की टीम और अंतरिक्ष यात्रियों को बधाई दी है। उन्होंने इस लॉन्च को अद्भुत बताया। इस ऐतिहासिक मिशन में चार अंतरिक्ष यात्री शामिल हैं। टीम की कमान रीड वाइसमैन संभाल रहे हैं। उनके साथ पायलट विक्टर ग्लोवर, मिशन विशेषज्ञ क्रिस्टीना कोच और कनाडा के जेरेमी हैनसेन यात्रा कर रहे हैं। लॉन्चिंग के एक घंटे बाद रॉकेट ने कैप्सूल को पृथ्वी की ऊंची कक्षा में पहुंचा दिया।

इंडोनेशिया में भूकंप के बाद सुनामी, कई इमारतें क्षतिग्रस्त

जकार्ता। इंडोनेशिया के उत्तरी मोलुक्का प्रांत में गुरुवार को भूकंप के भीषण झटके महसूस किए गए। संयुक्त राज्य भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीसी) के अनुसार, रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 7.8 मापी गई है। इस भूकंप में कई इमारतें क्षतिग्रस्त हुई और एक की मौत भी हुई है। इंडोनेशिया 'रिंग ऑफ फायर' पर स्थित होने के कारण भूकंप के प्रति अत्यधिक संवेदनशील है। संयुक्त राज्य अमेरिका के भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूनाइटेड स्टेट्स जियोलॉजिकल सर्वे) के अनुसार, गुरुवार को इंडोनेशिया के मसाला द्वीप टेरनेट के उत्तरी मोलूका सागर में 7.4 तीव्रता का भूकंप आया, जिसके चलते पड़ोसी दक्षिण-पूर्वी एशियाई देशों के लिए सुनामी की चेतावनी जारी की गई।

आज का कार्टून

राष्ट्र के नाम संबोधन : ट्रम्प बोले- हम जीते गए, एक और धमकी दी...

दो-तीन हफ्ते में होंगे भीषण हमले पाषाण युग में पहुंच जाएगा ईरान

वाशिंगटन डीसी / तेहरान

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने आज सुबह राष्ट्र के नाम संबोधन करते हुए दावा किया कि अमेरिका को ईरान जंग में जीत मिली है। साथ ही चेतावनी दी कि अमेरिका 2-3 हफ्ते में ईरान पर बड़ा हमला करेगा। ट्रम्प ने आगे कहा कि ईरान की मिसाइल-ड्रोन क्षमता और नौसेना खत्म हो गई है। सैन्य ताकत काफी कमजोर हो गई है। इस सैन्य अभियान का अहम मकसद पूरा होने वाला है। ट्रम्प ने यह भी चेतावनी दी कि अगर समझौता नहीं हुआ, तो अमेरिका, ईरान को स्टोन एज, यानी पाषाण काल में भेज देगा। हालांकि उन्होंने यह दावा भी किया कि ईरान में सत्ता परिवर्तन हो चुका है और नई लीडरशिप पहले से कम कट्टर है।

ट्रम्प के 19 मिनट के भाषण कोई नया ऐलान नहीं हुआ । वही बातें दुहराई गेन जो वे पिछले कुछ समय से कहते रहे हैं। उन्होंने युद्ध की लागत और इसके लंबा खिंचने से चिंतित अमेरिकियों से कहा कि वे इस संघर्ष को सही नजरिए से देखें। उन्होंने इराक (8 साल) और वियतनाम (19 साल) जैसे पिछले अमेरिकी युद्धों का जिक्र करते हुए कहा कि ईरान जंग तो अभी दूसरे महीने में ही पहुंची है।

लोगों को आर्थिक परेशानी की बात मानी

उन्होंने यह भी माना कि लोगों को आर्थिक परेशानी हो रही है, लेकिन कहा कि यह युद्ध जरूरी है। उन्होंने कहा, 'यह आपके बच्चों और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य में निवेश है।' ट्रम्प ने ईरान से युद्ध खत्म करने के लिए बातचीत की मांग की, जबकि एक दिन पहले ही उन्होंने कहा था कि उन्हें समझौते की जरूरत नहीं है। उन्होंने होर्मुज स्ट्रेट संकट को लेकर कहा कि इसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी दूसरे देशों को लेनी चाहिए। हालांकि, एक दिन पहले ही उन्होंने कहा था कि होर्मुज खोले बिना कोई समझौता नहीं होगा। ट्रम्प के बयान पर ईरानी सेना ने चेतावनी दी है कि वह अमेरिका और इजराइल पर भीषण हमले करेगी। ईरान की सैन्य कमान खातम अल-अनबिया ने कहा कि युद्ध जारी रहेगा और दुश्मनों को करारा जवाब दिया जाएगा।

आसान नहीं है ट्रम्प के लिए नाटो से निकलना

राष्ट्रपति ट्रम्प बार-बार नाटो से बाहर निकलने की धमकी जरूर दे रहे हैं, लेकिन उनके लिए ऐसा करना आसान नहीं होगा। उनकी पिछली धमकियों को को देखते हुए, अमेरिकी कांग्रेस ने दिसंबर 2023 में एक सख्त कानून पारित किया था। इस कानून का मकसद ही यही था कि कोई भी राष्ट्रपति अपनी मर्जी से एकतरफा अमेरिका को नाटो से बाहर न निकाल सके। नए नियमों के मुताबिक, अगर वे नाटो छोड़ना चाहते हैं, तो उन्हें दो रास्तों में से एक चुनना होगा। अमेरिका की सीनेट के 100 सदस्यों में से कम से कम 67 सदस्यों का समर्थन को जुटाना होगा। आज की राजनीतिक स्थिति में इतने वोट जुटाना लगभग असंभव है। जानकारों का मानना है कि ट्रंप इस मामले को सुप्रीम कोर्ट में ले जा सकते हैं। वे तर्क दे सकते हैं कि विदेश नीति और अंतरराष्ट्रीय संधियों पर अंतिम फैसला लेने का विशेषाधिकार राष्ट्रपति के पास है, संसद के पास नहीं। वे संसद के 2023 वाले कानून को असंवैधानिक घोषित कराने की कोशिश कर सकते हैं। अगर यह मामला अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट पहुंचता है, तो वहां ट्रंप की ओर से नियुक्त जजों का बहुमत उनके पक्ष में फैसला दे सकता है। अगर ट्रंप बिना संसद की परवाह किए नोटिस भेज देते हैं, तो अमेरिका में राष्ट्रपति और संसद के बीच एक बड़ा 'संवैधानिक टकराव' शुरू हो जाएगा. मामला कोर्ट में बरसों तक खिंच सकता है।

पश्चिम बंगाल में 7 इलेक्शन ऑब्जर्वर को बंधक बनाया

सुप्रीम कोर्ट नाराज, कहा- यह सोची-समझी साजिश

कोलकाता/नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने आज पश्चिम बंगाल के मालदा जिले में एसआईआर से जुड़े 7 इलेक्शन ऑब्जर्वर (न्यायिक अधिकारी) को बंधक बनाए जाने की घटना पर नाराजगी जताई। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह घटना सोची-समझी और भड़काऊ लगती है। इसका मकसद न्यायिक अधिकारियों का मनोबल गिराना और चल रही चुनावी प्रक्रिया को बाधित करना है।

जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमल्या बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली की बेंच ने कहा कि राज्य में कानून-व्यवस्था ढह गई है। बेंच ने राज्य के गृह सचिव, डीजीपी और अन्य अधिकारियों से उनकी निष्क्रियता पर जवाब मांगा। दरअसल, 7 न्यायिक अधिकारी बुधवार को मालदा के बीडीओ ऑफिस पहुंचे थे। इनमें तीन महिलाएं थीं। तभी वोटर लिस्ट में नाम कटने के विरोध में हजारों लोगों ने ऑफिस को घेर लिया। 7 अधिकारियों को रात 12 बजे तक बंधक बनाए रखा। उन्हें खाना पानी तक नहीं मिला।

पश्चिम बंगाल में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन का काम अभी भी जारी है। 28 फरवरी को फाइनल वोटर लिस्ट जारी हुई थी। इसमें 7.04 करोड़ वोटर के नाम थे। लगभग 60 लाख नाम न्यायिक जांच के दायरे में रखे गए। इन्हें वोटर लिस्ट में रखने या हटाने पर फैसले के लिए 705 न्यायिक अधिकारियों को नियुक्त किया गया था। चुनाव आयोग ने 19 अपीलीय ट्रिब्यूनल गठित करने की अधिसूचना भी जारी कर दी है। इन ट्रिब्यूनल की अध्यक्षता हाईकोर्ट के पूर्व चीफ जस्टिस और जज करेंगे। राज्य में अब तक चार सप्लीमेंट्री लिस्ट जारी हो चुकी हैं।

यह न्यायिक प्रक्रिया में बाधा

चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने न केवल सख्त टिप्पणी की, बल्कि ममता सरकार और उनके अधिकारियों की भूमिका पर भी सवाल उठाए। सीजेआई ने नाराजगी जताते हुए कहा कि कल की घटना अदालत के अधिकार को खुली चुनौती देने की एक दुस्साहसी कोशिश थी। ममता सरकार को फटकार लगाते हुए सीजेआई ने आगे कहा कि यह सोची-समझी साजिश थी। आप हमें कड़ी टिप्पणी के लिए मजबूर कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने संकेत दिया कि इस तरह की घटनाएं न्यायिक प्रक्रिया में बाधा डालती हैं और इसे किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं किया जा सकता।

देवास में इलेक्ट्रिक स्कूटर में लगी आग, पास खड़ी गाड़ियां भी जलीं, बालकनी से कूदकर परिवार ने बचाई जान

देवास। *देवास शहर के मिश्रीलाल नगर क्षेत्र में सुबह करीब 4:50 पर घर के आंगन में रखी ओला इलेक्ट्रिक स्कूटर में अचानक आग लग गई। आग लगते ही पूरे घर में धुआं भर गया। इसी बीच घर के सदस्यों को आग का पता चला और उन्होंने किसी तरह अपनी जान बचाई। बाद में आसपास लोग पानी लेकर पहुंचे और आग पर काबू पाया। घटना में इलेक्ट्रिक स्कूटर के पास रखे वाहन भी जल गए। जानकारी के अनुसार भाजपा नेता और देवास विकास प्राधिकरण के पूर्व संचालक विकास गिरी के घर के आंगन में ओला इलेक्ट्रिक स्कूटर रखी थी। स्कूटर चार्जिंग पर भी नहीं थी और अचानक ही सुबह 4:50 पर स्कूटर में आग भड़क गई। लगभग 4:55 पर विकास गिरी का भतीजा जो प्रतिदिन सुबह 5:00 बजे उठता है, वह जागा तो आग का 5 मिनट में ही पता चल गया। आंगन में आग के चलते घर से बाहर निकलने के मुख्य दरवाजे से सदस्य नहीं निकल पाए।*

मेट्रो एंकर | विवाह जैसे जरूरी खर्चों के लिए बाजार में कम दाम पर फसल बेचना मजबूरी

ईरान की जंग के बीच बेमौसम बारिश से कराहते एमपी के किसान

रोहन सिरोठिया, भोपाल

मध्यप्रदेश के किसान इस समय बहुस्तरीय संकट से जूझ रहे हैं। एक ओर बेमौसम बारिश से खेतों में खड़ी गेहूं की फसल को नुकसान पहुँचने का खतरा है तो दूसरी ओर गेहूं खरीदी की तारीखों में लगातार हो रही देरी से उनकी चिंता बढ़ती जा रही है। पहले 25 मार्च से खरीदी प्रक्रिया शुरू करने की घोषणा हुई थी, जिसे बाद में 5 अप्रैल और अब 10 से 15 अप्रैल तक टाल दिया गया है।

इस देरी के कारण किसानों के गंभीर आर्थिक दबाव खड़ा हो गया है। जिन किसानों के घरों में विवाह या अन्य जरूरी खर्चीले कार्यक्रम हैं, वे न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) का इंतजार नहीं कर पा रहे और मजबूरी में खुले बाजार में कम दाम पर गेहूं बेच रहे हैं। वहीं, बेमौसम बारिश के चलते गेहूं के दानों के काले पड़ने और गुणवत्ता खराब होने की आशंका भी बढ़ गई है, जिससे खरीदी को लेकर

अनिश्चितता और गहरी हो गई है।

राज्य सरकार की ओर से स्थिति पर नजर रखने का दावा किया जा रहा है। खाद्य मंत्री गोविंद राजपूत ने कहा है कि सरकार किसानों के हितों के प्रति प्रतिबद्ध है, जबकि मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने समीक्षा के लिए मंत्री समूह गठित किया है। सीएम खुद इसकी निगरानी कर रहे हैं ।

लेकिन जमीनी हालत और इसकी नज़ाकत समझने को विभाग के आला अफसर तैयार नहीं हैं। इस संकट के साथ वैश्विक स्तर पर जारी ईरान संघर्ष का असर भी जुड़ गया है। कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण आने वाले दिनों में यूरिया और डीएपी की कीमत बढ़ने की आशंका है, जिससे किसानों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ सकता है। इसके अलावा, पेट्रोकेमिकल आधारित प्लास्टिक और पीपी (पॉलीप्रोपिलिन) बैग्स की कमी भी सामने आ रही है, जिससे गेहूं की खरीदी टल रही है ।

भंडारण व्यवस्था पर गहराया संकट

वेयरहाउस संचालक भी वित्तीय दबाव में हैं। कई संचालकों को लंबे समय से किराया नहीं मिला है और सब्सिडी भुगतान में देरी के कारण कर्ज का बोझ बढ़ता जा रहा है। ऐसे में भंडारण व्यवस्था पर भी संकट गहराने लगा है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि समय रहते खरीदी प्रक्रिया में शीघ्रता नहीं की गई और मौसम से हुए नुकसान का समाधान नहीं निकाला गया, तो यह स्थिति किसानों के व्यापक असंतोष का कारण बन सकती है। फिलहाल, किसान आसमान और सरकार, दोनों की ओर उम्मीद भरी नजरों से देख रहा है। यह सिर्फ मौसम या नीति की विफलता नहीं है...यह उस सिस्टम की परीक्षा है, जो तय करेगा कि किसान बचेगा... या टूटेगा।

राजधानी में खटलापुरा स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर को आकर्षक रूप से सजाया गया, जहां सुबह से ही भक्तों की भीड़ उमड़ रही है।

हनुमान जन्मोत्सव: मंदिरों में उमड़ी भक्तों की भीड़

भोपाल, दोपहर मेट्रो

आज हनुमान जन्मोत्सव मनाया जा रहा है। प्रदेशभर में शोभायात्राएं, भंडारे और धार्मिक आयोजन हो रहे हैं। भोपाल के खेड़ापति हनुमान मंदिर सहित राजधानी के सभी प्रमुख हनुमान मंदिरों में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ रही है।

पंडित अमर डिब्बेवाला के अनुसार चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा पर हनुमान जी का प्राकट्य उत्सव मनाया जाता है। इस बार पूर्णिमा गुरुवार को हस्त नक्षत्र और ध्रुव योग में आ रही है। कन्या राशि के चंद्रमा की साक्षी रहेगी। इस शुभ संयोग में साधु-उपासक हनुमान की कृपा के लिए अलग-अलग धार्मिक अनुक्रम करेंगे।

गुरुवार का दिन विशेष माना जाता है, क्योंकि यह भगवान विष्णु से संबंधित है और श्री राम उनके अवतार माने जाते हैं। इस दिन पूर्णिमा, गुरुवार और हस्त नक्षत्र का संयोग प्रबल माना जाता है। इस दिन की गई हनुमान जी की साधना ग्रह पीड़ा से मुक्ति दिलाती है।

खेड़ापति हनुमान मंदिर मनोकामना शिला पर लिखते हैं इच्छाएं

करोंद स्थित 45 साल पुराने खेड़ापति हनुमान मंदिर की विशेषता यह है कि भूतल पर एक मनोकामना शिला (इच्छा-पुकारने का पत्थर) है, जहां भक्त अपनी इच्छाएं लिखते हैं। यहां आज भंडारा, अखंड रामायण पथ (निरंतर जप) और सुबह, शाम आरती होगी। यहां खेड़ापति लोक भी बनाया जाना है।

लघुकथा गूगल गोष्ठी एवं विमर्श

मानवीय संवेदनाओं को दर्शाती सुधाकर की लघुकथाएं: जोशी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

महेश्वर के वरिष्ठ साहित्यकार विजय जोशी ' शीतांशु ' ने कहा कि सुधाकर मिश्र 'सरस' की लघुकथाएं 'प्रतिदिन की घटनाओं के प्रति आम आदमी के मन की छटपटाहट, समाज में व्याप्त विसंगतियों और मानवीय संवेदनाओं को प्रतीकात्मक रूप से व्यक्त करती हैं। वे लघुकथा शोध केंद्र समिति भोपाल द्वारा आयोजित अपनी ऑन -लाइन साप्ताहिक लघुकथा गूगल गोष्ठी एवं विमर्श के आयोजन मुख्य समीक्षक के रूप में अपनी बात रख रहे थे।

कार्यक्रम के आरम्भ में केंद्र की निदेशक कांता रॉय ने स्वागत उदबोधन दिया। ततपश्चात् अश्विनी देशपांडे के संचालन में कथाकार सुधाकर मिश्र 'सरस 'के अस्वस्थ होने के कारण सुनीता प्रकाश ने 'मुट्ठी भर लोग' समाज में दैनिक चिंताजनक घटनाओं पर आम आदमी की छटपटाहट पर केंद्रित,'समाधान' बच्चों की शिक्षा से संबंधित समस्याओं और निराकरण पर आधारित 'जरूरत ' कथनी और करनी में अंतर और समय के साथ जरूरतों का बदलना, ' मेरे पापा' आदर्श पापा को लेकर लिखी गई और 'आ गले लग जा' आंचलिक क्षेत्र के पिता और पुत्र के संबंधों पर आधारित लघुकथाओं का प्रभावी वाचन किया ।

इन लघुकथाओं पर मिथलेश अवस्थी, लता रानी, पूर्णिमा ढिल्लन, नितिन उपाध्याय, डॉ गिरिजेश सक्सेना आदि ने अपनी महत्वपूर्ण टिप्पणियाँ दी।

कोलार में शराब दुकान शिफ्टिंग का विरोध: मंदाकिनी चौराहे पर शिफ्ट किया ठेका, लोग विरोध में उतरे

भोपाल। कोलार रोड पर एक शराब दुकान की शिफ्टिंग का मामला तूल पकड़ रहा है। पहले दुकान सर्वधर्म इलाके में थी, जो अब मंदाकिनी चौराहे पर शिफ्ट कर दी गई है। इसके ठीक पीछे जैन मंदिर है और रहवासी इलाका है। इसके चलते लोग विरोध में उतर गए हैं।रात उन्होंने दुकान के सामने प्रदर्शन किया। आज रहवासी कलेक्टर से मिलने जाएंगे। इस मुद्दे पर रहवासियों के साथ कांग्रेसी भी मैदान में उतर गए हैं। कोलार कांग्रेस अध्यक्ष राहुल सिंह राठौड़ ने विरोध दर्ज कराते हुए कोलार थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपा और दुकान को तुरंत हटाने की मांग की। राठौड़ ने बताया कि कोलार रोड के सबसे प्रमुख स्थान मंदाकिनी चौराहे पर मंदाकिनी जैन मंदिर के पीछे ही शराब दुकान खुल गई है। शराब दुकान खुलने के पहले ही दिन चौराहे के आसपास जाम लग गया। पास में ही मंदाकिनी जैन मंदिर, रहवासी इलाका है।

फर्जी लोन स्वीकृत कर राशि हड़पी: बैंक शाखा प्रबंधक समेत दो दोषी, 7-7 साल की सजा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

बैंकिंग प्रणाली में भरोसे को झटका देने वाले मिसरोद शाखा भ्रष्टाचार मामले में सीबीआई कोर्ट ने सख्त रुख अपनाते हुए तत्कालीन शाखा प्रबंधक पियूष चतुर्वेदी और सहअभियुक्त मोहनसिंह सोलंकी को दोषी ठहराया है। सीबीआई प्रकरणों की सुनवाई कर रही अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश नीलम शुक्ला की अदालत ने दोनों को विभिन्न धाराओं में 7-7 वर्ष के कठोर कारावास सहित जुर्माने की सजा सुनाई।

मामला जुलाई 2014 का है, जब बैंक ऑफ इंडिया की मिसरोद शाखा में पदस्थ शाखा प्रबंधक ने अपने सहयोगियों के साथ मिलकर कई व्यक्तियों और फर्मों के नाम पर फर्जी दस्तावेजों के आधार पर टर्म लोन और कैश क्रेडिट लिमिट स्वीकृत की। इन खातों से संबंधित वास्तविक खाताधारकों को इसकी जानकारी तक नहीं दी गई और रकम आहरित कर ली गई।इस अनियमितता की शिकायत वर्ष 2016 में सीबीआई एसीबी भोपाल को दी गई, जिसके बाद विस्तृत जांच शुरू हुई।जांच में सामने आया कि आरोपियों ने 'मेसर्स विजन कम्प्यूटर' के नाम पर 12.50 लाख रुपए का ऋण स्वीकृत किया। इसके लिए कूटरचित दस्तावेजों का उपयोग किया गया और बाद में यह राशि खाताधारक की जानकारी के बिना मोहनसिंह सोलंकी द्वारा संचालित अन्य फर्म के खाते में ट्रांसफर कर दी गई।

गांजा तस्करों से लेन-देन के आरोप, टीआई लाइन अटैच

भोपाल। भोपाल देहात के नजीराबाद थाने के प्रभारी अरुण शर्मा को एसपी ने तत्काल प्रभाव से लाइन अटैच किया है। उन पर गांजा तस्करों से 1.70 लाख रुपए की वसूली कर बिना कार्रवाई किए छोड़ने के आरोप हैं। एसपी ने एसडीओपी वैशाली करहालिया के प्रतिवेदन पर कार्रवाई की है। थाना प्रभारी की विभागीय जांच शुरू कर दिए गई है।जानकारी के मुताबिक नजीराबाद इलाके से आरोपी सीताराम यादव उर्फ राधे यादव और जितेंद्र यादव को 30 मार्च को 430 ग्राम गांजा सहित आरक्षक मनोज धाकड़ ने हिरासत में लिया और थाने लेकर आया।थाना प्रभारी अरुण शर्मा को दोनों आरोपियों द्वारा गांजा बेचने की फिराक में ग्राहक की तलाश में घूमते हुए हिरासत में लिए जाने की बात बताई। बाद में आरक्षक ने ही बिचौलिया का काम किया। कार्रवाई न करने के ऐवज में दोनों आरोपियों से लाखों रुपए की मांग की गई।आरोपियों और पुलिस के बीच 1.70 रुपए में कार्रवाई न करने को लेकर सौदा ते हुआ। रकम मिलने के बाद आरोपियों पर बिना किसी कार्रवाई किए उन्हें थाने से छोड़ दिया गया। जिसकी जानकारी एसडीओपी वैशाली करहारिया को मिली। जिसके आधार पर एसपी ने आरक्षक और थाना प्रभारी पर कार्रवाई तय की है।

लगातार दूसरे दिन भी जारी रहा हमीदिया में मेडिकल टीचर्स का पेन डाउन आंदोलन

सीधी भर्ती पर आपत्ति, डीपीसी से पदोन्नति की मांग

भोपाल, दोपहर मेट्रो

गांधी चिकित्सा महाविद्यालय (जीएमसी) भोपाल में 'सीधी भर्ती' के विरोध में चिकित्सा शिक्षकों का आंदोलन लगातार दूसरे दिन भी तेज होने जा रहा है। हमीदिया हॉस्पिटल के ब्लॉक-2 पोर्च पर दोपहर 12:00 से 1:00 बजे तक समस्त चिकित्सा शिक्षक एक घंटे का कार्य बंद आंदोलन करेंगे।

शिक्षकों ने साफ संकल्प लिया है कि यदि भर्ती की विज्ञप्ति तुरंत निरस्त नहीं की जाती, तो यह आंदोलन प्रतिदिन क्रमिक रूप से और अधिक बढ़ाया जाएगा। इससे पहले भी एक घंटे का 'पेन डाउन' आंदोलन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में डॉक्टरों ने भाग लिया। संघ का आरोप है कि पदोन्नति के पदों पर सीधी भर्ती लागू कर वर्षों की सेवा और वरिष्ठता के साथ अन्याय किया जा रहा है।

मंगलवार को चिकित्सा शिक्षक संघ के आह्वान पर दोपहर 12:00 से 1:00 बजे तक एक घंटे का 'पेन डाउन' आंदोलन किया गया। इस दौरान जीएमसी के एडमिन ब्लॉक में बड़ी संख्या में डॉक्टर और संकाय सदस्य एकत्रित हुए। अधिष्ठाता कार्यालय और शासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए उन्होंने सीधी भर्ती प्रक्रिया का विरोध जताया। इस आंदोलन में जीएमसी के सभी विभागों के विभागाध्यक्ष, प्राध्यापक, सह-प्राध्यापक, सहायक प्राध्यापक, डिमॉन्स्ट्रेटर और मेडिकल ऑफिसर बड़ी संख्या में शामिल हो रहे हैं।चिकित्सा शिक्षकों का कहना है कि वर्षों से कार्यरत पात्र शिक्षकों की पदोन्नति डीपीसी के माध्यम से की जानी चाहिए, लेकिन इसके बजाय सीधी भर्ती का विज्ञापन जारी कर दिया गया है। संघ के अनुसार यह निर्णय नियमों के विपरीत है और इससे अनुभवी शिक्षकों के अधिकार प्रभावित होंगे।

अधिष्ठाता को सौंपे बहिष्कार पत्र

संघ के उपाध्यक्ष डॉ. जे.पी. अग्रवाल ने बताया कि एक दिन पहले हुई एग्जीक्यूटिव मीटिंग में 42 से अधिक पदाधिकारियों ने सर्वसम्मति से इस भर्ती का विरोध किया। इसके बाद पात्र शिक्षकों ने व्यक्तिगत रूप से बहिष्कार पत्र भी अधिष्ठाता को सौंपे। विज्ञप्ति निरस्त नहीं होने पर आंदोलन प्रतिदिन और तेज किया जाएगा।महासचिव डॉ. अविनाश ठाकुर ने कहा कि यदि प्रशासन ने सीधी भर्ती की विज्ञप्ति तुरंत निरस्त नहीं की, तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा। वहीं, अध्यक्ष डॉ. राकेश मालवीय ने कहा कि चिकित्सा शिक्षकों के अनुभव और वरिष्ठता के साथ किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। जरूरत पड़ने पर पूर्ण कार्य बहिष्कार भी किया जाएगा।

अप्रैल में तपती है भोपाल की धरती लेकिन इस बार राहत के आसार

कल भोपाल के विभिन्न क्षेत्रों में तेज बारिश दर्ज की गई।

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राजधानी भोपाल में अप्रैल का महीना मौसम के लिहाज से गर्मी की शुरुआत का सबसे अहम दौर माना जाता है, लेकिन इस बार अप्रैल माह की शुरुआत गरज-चमक और बारिश के साथ हुई है, लेकिन मौसम केंद्र की क्लाइमेटोलॉजी पर नजर डालें तो इस महीने का तापमान लगातार बढ़ता है और सतही वायुदाब में गिरावट दर्ज होती है।

मौसम केंद्र के अनुसार अप्रैल में भोपाल का औसत अधिकतम तापमान 38.7 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 22.4 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहता है। दिन और रात के तापमान में बड़ा अंतर देखने को मिलता है, जिससे दोपहर में तेज गर्मी और सुबह-शाम भीषण गर्मी से हल्की राहत मिलती है। इस दौरान हवा पश्चिमी और उत्तर-पश्चिमी दिशा से चलती है, जो शुष्क होती है और दोपहर में गर्म हवा का अहसास करती है।हालांकि बीच-बीच में मौसम में बदलाव भी देखने को मिलता है। उत्तरी भारत में सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के असर से भोपाल में बादल छाने, गरज-चमक और हल्की बारिश की स्थिति बनी रहती है। कई बार ओलावृष्टि भी दर्ज की गई है।

मेट्रो एंकर | 10.90 करोड़ खर्च फिर भी समस्या, गलत कनेक्टिविटी ने शेड की कार्यक्षमता प्रभावित की

रानी कमलापति स्टेशन का आईएचओ शेड बना परेशानी का सबब

भोपाल, दोपहर मेट्रो

रानी कमलापति रेलवे स्टेशन पर लगभग 10.90 करोड़ रुपये की लागत से बनाया गया आईएचओ (इंटरमीडिएट ओवरहॉलिंग) शेड अब रेलवे की इंजीनियरिंग लापरवाही का उदाहरण बन गया है। जिस सुविधा को आधुनिक कोच मेंटेनेंस और समय बचाने के उद्देश्य से तैयार किया गया था, वही अब संचालन में बड़ी बाधा बन रही है। हैरानी की बात यह है कि तत्कालीन जीएम ने इसका उद्घाटन भी कर दिया है।

रेलवे के जानकारों का कहना है कि करोड़ों रुपये खर्च होने के बाद भी इस तरह की खामियां सामने आना रेलवे की कार्यप्रणाली और निर्माण कार्यों की निगरानी व्यवस्था पर सवाल खड़े करता है। इतना बड़ा तकनीकी बदलाव निर्माण के दौरान कैसे हो गया और इसे समय रहते सुधारा क्यों नहीं गया, यह भी जांच का विषय है। यदि समय रहते इस तकनीकी गलतियों को ठीक कर लिया जाता तो इस तरह की परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ता, ऐसे में अब यह शेड रेलवे के लिए सुविधा के बजाय परेशानी का कारण बना रहेगा।

कनेक्टिविटी में तकनीकी गलती

योजना के अनुसार आईएचओ शेड को प्लेटफार्म नंबर-5 से सीधे जोड़ा जाना था, ताकि कोचों को बिना अतिरिक्त शंटिंग के सीधे मरम्मत के लिए भेजा जा सके और समय की बचत हो। इससे ट्रेनों के संचालन पर भी कोई असर नहीं पड़ता। लेकिन निर्माण के दौरान इसे लाइन नंबर-6 से जोड़ दिया गया, जिससे व्यवस्था प्रभावित हो गई। अब शेड का मूल उद्देश्य कोचों की मरम्मत और निरीक्षण को तेज व सुगम बनाना पूरी तरह पूरा नहीं हो पा रहा है।वर्तमान व्यवस्था में लाइन नंबर-6 पिट लाइन से जुड़ी है, जहां पहले से कई कोच और ट्रेनें खड़ी रहती हैं। ऐसे में किसी कोच को आईएचओ शेड तक ले जाने से पहले ट्रैक खाली कर गाड़ियों को दूसरी लाइन पर शिफ्ट करना पड़ता है।

रेलवे कर्मियों ने नए लेबर लॉ को बताया मजदूर विरोधी, रद्द करने की मांग

भोपाल, दोपहर मेट्रो

वेस्ट सेंट्रल रेलवे की मुख्य शाखा में कर्मचारियों ने नए श्रम कानूनों के विरोध में 'काला दिवस' मनाया। नेशनल फेडरेशन ऑफ इंडियन रेलवेमेन (ह्स्त्रढ्ढक्र) के आह्वान पर हुए इस प्रदर्शन में कर्मचारियों ने काला रिबन बांधकर और कैंडल जलाकर केंद्र सरकार की नीतियों के प्रति नाराजगी जताई।

शाखा स्तर पर आयोजित इस विरोध प्रदर्शन में बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कर्मचारी शामिल हुए। सभी ने एक स्वर में नए श्रम कानूनों के चारों कोड का बहिष्कार करते हुए उन्हें तत्काल वापस लेने की मांग की। साथ ही पुराने 29 श्रम कानूनों को फिर से लागू करने की अपील की गई।

दिल्ली में केंद्रीय मंत्रियों के साथ सीएम की मीटिंग

शिवप्रकाश, हेमंत ने सिंधिया, मुरुगन, वीरेंद्र, उइके की मौजूदगी में मध्यप्रदेश के सांसदों से की चर्चा

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश , मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल एवं प्रदेश प्रभारी डॉ.महेंद्र सिंह ने नई दिल्ली स्थित मध्यप्रदेश भवन में प्रदेश के सांसदों और केंद्रीय मंत्रियों के साथ बैठक कर विभिन्न संगठनात्मक विषयों पर विस्तृत चर्चा की।

6 अप्रैल को 18 जिलों में बीजेपी कार्यालयों का भूमिपूजन

भाजपा के स्थापना दिवस के मौके पर 6 अप्रैल को प्रदेश के 18 जिलों में भाजपा के जिला कार्यालयों का एक साथ भूमिपूजन होगा। समारोहों में सीएम डॉ. मोहन यादव, बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, क्षेत्रीय संगठन मंत्री अजय जामवाल वर्चुअली जुड़ेंगे। स्थानीय विधायक, सांसद और मंत्री अपने जिले में भूमिपूजन में मौजूद रहेंगे।

स्पीकर ने किया है समितियों का गठन

तिहाड़ जेल भेजे गए एमएलए राजेन्द्र भारती को बनाया गया विधानसभा समिति का सदस्य

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मां के नाम पर एफडी बनवाने के बाद एमपीएमएलए कोर्ट से दोषी ठहराकर तिहाड़ जेल भेजे गए कांग्रेस के विधायक राजेंद्र भारती को विधानसभा की सदस्य सुविधा समिति का सदस्य नियुक्त कर दिया गया है। भारती को गुरुवार को सजा सुनाई जाएगी। विधानसभा अध्यक्ष ने वर्ष 2026-27 के लिए घोषित समितियों में से एक समिति के सदस्य भारती बनाए गए हैं। इस समिति में विधायक शैलेंद्र जैन सभापति हैं।

विधान सभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने वर्ष 2026-27 के लिए सदन समितियों का गठन किया है। इसके अंतर्गत कार्य मंत्रणा समिति, शासकीय आश्वासनों संबंधी समिति, प्रश्न एवं संदर्भ समिति तथा सदस्य सुविधा समिति का गठन कर सभापति नियुक्त करते हुए समिति सदस्यों के नाम तय किए गए हैं।

कार्यमंत्रणा समिति में ये होंगे शामिल- विधानसभा की कार्यमंत्रणा समिति के सभापति विधान सभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा, संसदीय कार्य मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, विधायक गोपाल भार्गव, हेमंत खंडेलवाल, डॉ. सीतासरन शर्मा, अजय विश्नोई, मीना सिंह मांडवे, हरिशकर खटीक, सोहनलाल बाल्मीक, यादवेंद्र सिंह, लखन घनघोरिया और हेमंत सत्यदेव कटारे इस समिति के सदस्य घोषित किए गए हैं।

प्रश्न और संदर्भ समिति में भीमावद सभापति

प्रश्न और संदर्भ समिति का सभापति विधायक अरुण भीमावद को बनाया है। समिति के सदस्यों में विधायक हरिसिंह सप्रे, राजेश वर्मा, प्रणय प्रभात पांडेय, नारायण पटेल, अनिल जैन (निवाड़ी), इंजी. गोपाल सिंह, श्याम बरडे, बाला बच्चन, झूमा ध्यानसिंह सोलंकी एवं सुरेश राजे मनोनीत किए हैं।

सदस्य सुविधा समिति का जिम्मा शैलेंद्र को

सदस्य सुविधा समिति के सभापति की जिम्मेदारी विधायक शैलेंद्र कुमार जैन को सौंपी गई है। इस समिति में मोहन शर्मा, प्रहलाद लोधी, मनोज पटेल, घनश्याम चंद्रवंशी, राजकुमार कर्हाहे, राजेंद्र भारती, रजनीश सिंह एवं डॉ. रामकिशोर दोगने समिति सदस्य बनाए हैं।

खटीक बने शासकीय आश्वासन समिति केसभापति

शासकीय आश्वासन समिति के सभापति विधायक हरिशंकर खटीक बनाए गए हैं। इस समिति के सदस्य के रूप में विधायक नरेंद्र सिंह कुशवाह, गौरव पारधी, विष्णु खत्री, राजेश सोनकर, रामनिवास शाह, डॉ. अभिलाष पांडेय, राकेश शुक्ला (गोलू), सुनील उइके, डॉ. विक्रांत भूरिया एवं राजन मंडलोई नॉमिनेट किए गए हैं।

इंदौर में सिर्फ 4 फीसदी किशोरियों को लगी एचपीवी वैक्सीनग

कैंसर से बचाने में भी इंदौर और भोपाल निकले फिसड्डी, 70 फीसदी के साथ डिंडौरी रहा आगे

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश में किशोरियों को सर्वाइकल कैंसर से बचाने के लिए चलाए जा रहे एचपीवी वैक्सीनेशन अभियान की ताजा रिपोर्ट चौंकाने वाली तस्वीर पेश करती है। जहां एक तरफ डिंडौरी, बालाघाट और राजगढ़ जैसे जिले 70 से 79त्न तक कवरेज के साथ टॉप पर हैं, वहीं बड़े शहर इस दौड़ में पीछे छूट गए हैं। इंदौर महज 3.96 प्रतिशत कवरेज के साथ सबसे आखिरी स्थान पर है, जबकि राजधानी भोपाल भी 12.65त्न के साथ 43वें स्थान पर पहुंच गया है। यह स्थिति बताती है कि जागरूकता और संसाधनों के बावजूद बड़े शहरों में अभियान अपेक्षित परिणाम नहीं दे पा रहा। खास बात यह है कि बड़े शहर सिर्फ स्वास्थ्य के क्षेत्र में नहीं बल्कि शिक्षा के क्षेत्र में भी पिछड़ते जा रहे हैं। इसी तरह का ट्रेंड हाल में जारी हुए 5वीं-8वीं के बोर्ड एग्जाम के दौरान देखने को मिला।

राज्य स्तर पर एचपीवी वैक्सीनेशन अभियान का कुल लक्ष्य 8 लाख 3 हजार 684 किशोरियों को टीका लगाने का है। अब तक 2 लाख 8 हजार 873 का टीकाकरण हो चुका है, जो कुल लक्ष्य का लगभग 25.99 प्रतिशत है। राष्ट्रीय स्तर पर मध्यप्रदेश का प्रदर्शन बेहतर है। टॉप स्टेट्स में एमपी शामिल है। हालंकि, शहरी क्षेत्रों के आंकड़े इस प्रदर्शन को कमजोर बना रहे हैं। हर साल सवा लाख महिलाएं आ रहीं चपेट में भारत में हर साल करीब 1.25 लाख महिलाएं सर्वाइकल कैंसर की चपेट में आती हैं और लगभग 75 हजार महिलाओं की मौत हो जाती है। यह बीमारी धीरे-धीरे विकसित होती है और शुरुआती चरण में अक्सर लक्षण नहीं दिखते। डॉक्टरों का कहना है कि किशोरावस्था में वैक्सीनेशन भविष्य में इस बीमारी से बचाव का सबसे सुरक्षित और प्रभावी तरीका है। ऐसे करा सकते हैं रजिस्ट्रेशन अभिभावक यू-विन डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए स्लॉट बुक कर सकते हैं। इसके अलावा सीधे नजदीकी सरकारी स्वास्थ्य केंद्र पर भी संपर्क किया जा सकता है। भोपाल में यह सुविधा 18 केंद्रों पर उपलब्ध है, जिनमें एम्स भोपाल, जिला अस्पताल, सिविल अस्पताल और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शामिल हैं। टीकाकरण के समय उम्र का प्रमाण, मोबाइल नंबर और अभिभावक की सहमति जरूरी होगी।

देश के टॉप स्टेट में शामिल है मध्यप्रदेश

टॉप पर छोटे जिले, 70% से ज्यादा कवरेज| रिपोर्ट के अनुसार सबसे बेहतर प्रदर्शन डिंडौरी जिले का रहा है, जहां 79.26 प्रतिशत किशोरियों को टीका लगाया जा चुका है। इसके बाद बालाघाट (70.31%) और राजगढ़ (70.19%) दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं। मंडला (67.74%), खरगोन (56.59%) और खंडवा (56.39%) भी 50 प्रतिशत से अधिक कवरेज के साथ बेहतर प्रदर्शन करने वाले जिलों में शामिल हैं। इन जिलों में स्वास्थ्य अमले की सक्रियता और जमीनी स्तर पर लगातार जागरूकता अभियान को इसका मुख्य कारण माना जा रहा है।

20 से 40% के बीच वाले जिले| प्रदेश के कई जिले ऐसे हैं जहां टीकाकरण की रफ्तार औसत बनी हुई है। सागर (42.01%), रायसेन (39.62%), कटनी (35.41%) और मुरैना (33.92%) जैसे जिले 30 से 40 प्रतिशत के बीच हैं। इसी श्रेणी में जबलपुर (30.44%), टीकमगढ़ (30.86%) और सिवनी (30.66%) भी आते हैं।

सबसे चौंकाने वाला पहलू

बड़े शहरों का कमजोर प्रदर्शन है। इंदौर सिर्फ 3.96 प्रतिशत कवरेज के साथ प्रदेश में सबसे आखिरी स्थान पर है। भोपाल 12.65 प्रतिशत के साथ 43वें स्थान पर है, जबकि ग्वालियर 23.52 प्रतिशत और जबलपुर 30.44 प्रतिशत पर है। यह स्थिति इसलिए भी गंभीर है क्योंकि इन शहरों में स्वास्थ्य सुविधाएं और संसाधन सबसे अधिक उपलब्ध हैं, फिर भी टीकाकरण की रफ्तार बेहद धीमी है। रिपोर्ट में कई जिले ऐसे भी हैं जहां स्थिति बेहद चिंताजनक है। रीवा (9.59%), धार (7.93%), शिवपुरी (7.88%) और इंदौर (3.96%) जैसे जिलों में टीकाकरण 10 प्रतिशत से भी नीचे है। इन जिलों में जागरूकता की कमी, टीकाकरण को लेकर हिचक और अभियान की कमजोर मॉनिटरिंग को संभावित कारण माना जा रहा है।

सीएम-कलेक्टर से शिकायत, जांच शुरू

केमिकल कंपनी की वजह से 30 कर्मचारियों के कान खराब, 5 पूरी तरह दिव्यांग

उज्जैन, दोपहर मेट्रो

उज्जैन के नागझिरी ओद्योगिक क्षेत्र की ओंकार केमिकल कंपनी में काम करने वाले दो दर्जन से अधिक कर्मचारियों ने आरोप लगाया है कि केमिकल फैक्ट्री में काम करने के दौरान उनकी सुनने की क्षमता 90 प्रतिशत तक खत्म हो चुकी है। शहर के मध्य संचालित होने वाली ओंकार केमिकल कंपनी के कर्मचारियों ने इसकी शिकायत सीएम से लेकर उज्जैन कलेक्टर रौशन सिंह तक से की है। कलेक्टर रौशन सिंह ने बताया कि एक आवेदन आया है जिसमें कंपनी के खिलाफ शिकायत की है, जांच की जा रही है ,प्रतिवेदन मिलते ही उचित कार्रवाई की जाएगी। हालात ये है कि सभी 30 कर्मचारी बिना हियरिंग मशीन के अब सुन भी नहीं सकते हैं। सभी लोग मशीन लगाकर बात कर पाते हैं। अब उनके सामने रोजी रोटी के लिए दूसरी कंपनी में कहीं काम भी नहीं मिल रहा है।

हैरानी की बात तो ये है कि जो 30 से अधिक कर्मचारी बेहरेपन का शिकार हुए हैं उनकी उम्र महज 20 से 30 साल के बीच है। बरखेड़ी बाजार निवासी लखन चौहान 2022 में कंपनी में 11500 रुपए मासिक वेतन पर काम पर लगे थे, 6 माह के अंदर ही उनके कान में सीटी बजाना शुरू हुई, डाक्टरों को दिखाया तो उन्होंने चेकअप के लिए लिखा, इंदौर के एमवाय अस्पताल की जांच रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि दोनों कान पूरी तरह से डेमेज हो चुके है। इसके बाद उन्होंने वंहा से नौकरी छोड़ दी।

कान इतने खराब हुए की दिव्यांगता का सर्टिफिकेट बन गया

लखन चौहान ने बताया कि ओंकार केमिकल में लेबर का काम करता था। इस दौरान कई बार केमिकल शरीर पर भी गिरता था। जिसके कारण दोनों कान खराब हो गए है। डॉक्टर को बताया इंदौर उज्जैन में इलाज चाल लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। अब तो मेरे सहित आधा दर्जन कर्मचारियों का दिव्यांग का प्रमाण पत्र भी बन गया है। केमिकल की वजह से खराब हुआ है। कलेक्टर को शिकायत दर्ज कराई है। तीन माह में 80 प्रतिशत कान खराब मीनगांव निवासी राजेश परमार ने बताया कि ओमकार केमिकल में 2021 में काम करना शुरू किया। 10500 रुपए सैलरी मिलती थी, तीन महीने बाद ही कान में सिटी बजना भारीपन सहित आवाज कम आने की समस्या शुरू हुई। इसके बाद डॉक्टर को चेक कराया तो दोनों कान में एक में 80 और दूसरे में 90 प्रतिशत डैमेज बताया अब दूसरी कंपनी वाले काम पर भी नहीं रख रहे हैं। ना मुआवजा कंपनी ने दिया है।

चार साल बाद भी पूरी नहीं हुई शिक्षक भर्ती

साल 2022 के चयनित शिक्षक सड़कों पर, आठ महीने से जॉइनिंग का इंतजार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

माध्यमिक और प्राथमिक शिक्षक भर्ती-2022 के चयनित अभ्यर्थियों का सब्र अब जवाब देने लगा है। करीब चार साल से चल रही भर्ती प्रक्रिया आज तक पूरी नहीं हो पाई है, जिसके चलते चयनित शिक्षक राजधानी भोपाल में एक बार फिर सड़क पर उतरकर प्रदर्शन किया और अपनी मांगे रखीं।

अभ्यर्थियों का कहना है कि भर्ती प्रक्रिया की शुरुआत सत्र 2021-22 में हुई थी, जिसके बाद प्री परीक्षा, मुख्य परीक्षा, रिजल्ट और डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन जैसे सभी चरण पूरे हो चुके हैं। इसके बावजूद अब तक नियुक्ति नहीं दी गई है। अभ्यर्थियों का कहना है कि वर्ग-2 और वर्ग-3 भर्ती 2024 में किसी

भी प्रकार का कोर्ट स्टे नहीं है, इसके बावजूद प्रक्रिया में देरी समझ से परे है। 25 सितंबर को परिणाम जारी होने के बाद से करीब आठ महीने बीत चुके हैं, लेकिन जॉइनिंग को लेकर कोई स्पष्ट आदेश नहीं आया है। इससे अभ्यर्थियों में नाराजगी लगातार बढ़ती जा रही है। 1 अप्रैल से नया शैक्षणिक सत्र शुरू हो गया है, लेकिन चयनित शिक्षकों को नियुक्ति देने के बजाय गेस्ट फैकल्टी की भर्ती की जा रही है। इसे लेकर अभ्यर्थियों ने सवाल खड़े किए हैं। नियुक्ति में देरी से परेशान अभ्यर्थी पांचवीं बार प्रदर्शन कर रहे हैं। उनका कहना है कि बार-बार आवाज उठाने के बावजूद सरकार और विभाग की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।

कांग्रेस दफ्तर में खुला असंतोष

बैठक में ही घिरे जीतू, कार्यकर्ता बोला- आप नहीं मिलते अपनों से

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश कांग्रेस के मुख्यालय में आयोजित यूथ कांग्रेस की बैठक उस वक्त विवादों में घिर गई, जब कार्यकर्ताओं ने मंच पर ही संगठन की कार्यशैली पर सवाल खड़े कर दिए। बैठक के दौरान प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी को कार्यकर्ताओं की नाराजगी का सामना करना पड़ा। बैठक में उस समय माहौल गरमा गया जब एक कार्यकर्ता ने पटवारी के सवाल मेरा कामकाज कैसा है?-का जवाब देते हुए कहा कि वे केवल अपने करीबी और कुणाल चौधरी के समर्थकों से ही मिलते हैं। इस बयान के बाद कुछ देर के लिए बैठक में सन्नाटा छा गया। टीकमगढ़ से आए एक कार्यकर्ता ने कहा कि वे पिछले 12 वर्षों से पार्टी कार्यालय आ रहे हैं, लेकिन न पहले मुलाकात हो पाई और न अब हो रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि घंटों इंतजार के बाद भी उन्हें समय नहीं दिया जाता। बैठक में कई वरिष्ठ नेता पहुंचे, जिनमें उमंग सिंघार और जयवर्धन सिंह शामिल रहे, लेकिन कार्यकर्ताओं का आरोप है कि नेताओं ने सिर्फ भाषण दिए, जमीनी मुद्दों पर कोई खुली चर्चा नहीं हुई।

प्रभारी के सामने हंगामा

बैठक के दौरान मनीष शर्मा और सज्जन सिंह वर्मा की मौजूदगी में भी हंगामा हुआ। भोपाल यूथ कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष के समर्थकों ने नारेबाजी की, जिससे स्थिति बिगड़ गई। प्रदेश अध्यक्ष यश घनघोरिया ने स्थिति संभालने की कोशिश की, लेकिन कार्यकर्ता नहीं माने। कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि उन्हें कभी दिल्ली तो कभी इंदौर भेजा जाता है, जिससे वे अपने प्रभार वाले जिलों में काम नहीं कर पा रहे। साथ ही प्रभार वितरण में भी दूरी और व्यवहारिकता का ध्यान नहीं रखने की बात कही गई।

मांडू स्वदेश दर्शन योजना के लिए डेस्टीनेशन मैनेजमेंट कमेटी गठित

भोपाल। भारत सरकार की चैलेंज बेस डेस्टिनेशन डेवलपमेंट सब-स्कीम स्वदेश दर्शन 2.0 योजना की गाइडलाइन्स द्वारा माण्डू जिला-धार की स्वीकृति प्राप्त हुई है। राज्य शासन ने डेस्टीनेशन मैनेजमेंट कमेटी का गठन किया है।सामान्य प्रशासन विभाग ने इस संबंध में आदेश जारी किए है।

कमेटी में जिला कलेक्टर, धार को अध्यक्ष बनाया गया है। पुलिस अधीक्षक जिला धार, मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर परिषद माण्डू जिला धार यदि प्रस्तावित क्षेत्र नगरीय क्षेत्र में है, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत जिला धार (यदि प्रस्तावित क्षेत्र ग्रामीण क्षेत्र में है), कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग जिला धार, सहा. संचालक, जनसंपर्क विभाग जिला धार, जिला महा प्रबंधक जिला उद्योग केन्द्र जिला धार, प्राचार्य शासकीय तकनीकी प्रशिक्षण संस्थान, जिला धार, कलेक्टर धार द्वारा नामांकित जिला प्रमुख/विभाग के प्रतिनिधि पर्यटन, और कलेक्टर धार द्वारा नामांकित पर्यटन उद्योग के दो प्रतिनिधि, सदस्य होंगे। अध्यक्ष किसी भी अन्य विभाग/संस्था के प्रतिनिधि को विशेष आमंत्रित के रूप में आवश्यकतानुसार आमंत्रित कर सकेगें। कलेक्टर एवं चेयरपर्सन डेस्टिनेशन मैनेजमेंट कमेटी माण्डू जिला-धार, जिले के पर्यटन उद्योग से जुडे हुये दो प्रतिनिधियों तथा पर्यटन से जुडे हुये विभाग के प्रतिनिधि को नामांकित कर इसकी सूचना पर्यटन विभाग एवं म.प्र. पर्यटन बोर्ड को प्रेषित करेंगे एवं विकास कार्यों की देखरेख के लिए अपने अधीनस्थ किसी अधिकारी को कमेटी के सदस्य सचिव के रूप में अधिकृत कर सकेंगे।

मेट्रो एंकर | इंदौर में तैयार हो रही पुलिस की ड्रोन यूनिट

अब आसमान से भी रखेंगे हर गतिविधि और चप्पे-चप्पे पर नजर

इंदौर, दोपहर मेट्रो

नगरीय सीमा में कानून व्यवस्था को तकनीकी तौर पर और मजबूत बनाने के लिए पुलिस अब हाईटेक कदम उठाने जा रही है। आयुक्त कार्यालय (पलासिया) विशेष ड्रोन यूनिट गठित करने की तैयारी है, जो आसमान से होनी वाली निगरानी की लाइव फीड देखती रहेगी। मंगलवार को दो हाईटेक ड्रोन कैमरों से प्रशिक्षण शुरू कर दिया गया है।

अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (मुख्यालय) आरके सिंह के मुताबिक यह यूनिट अत्याधुनिक कैमरों और सेंसर से लैस ड्रोन संचालित करेगी, जिनके जरिए शहर के संवेदनशील इलाकों, भीड़भाड़ वाले बाजारों, प्रमुख चौराहों और बड़े आयोजनों पर रियल टाइम निगरानी रखी जाएगी। इस वक्त पुलिस के पास 12 ड्रोन कैमरे हैं। नौ थाना प्रभारी पहले ही ड्रोन पेट्रोलिंग कर रहे हैं।

नए दो ड्रोन पुलिस को मिले हैं। इनका उपयोग विशेष अवसरों पर होगा। इनसे मिलने वाला लाइव फीड सीधे कंट्रोल रूम तक पहुंचेगा, जहां से वरिष्ठ अधिकारी हर गतिविधि पर नजर रख सकेंगे और जरूरत पड़ने पर तुरंत निर्देश जारी कर सकेंगे।

भीड़ प्रबंधन में गेमचेंजर ड्रोन कैमरा- एडिशनल सीपी के मुताबिक थर्टी फर्स्ट, होली जैसे त्योहारों और जुलूसों, रैलियों और बड़े धार्मिक आयोजनों में हम ड्रोन का उपयोग कर चुके हैं। साप्ताहिक कांबिंग गश्त में भी ड्रोन से पेट्रोलिंग करवा रहे हैं। कई बार आपराधिक तत्वों को पकड़ा गया है। ड्रोन यूनिट के जरिए पुलिस को ऊंचाई से पूरा दृश्य देखने को मिलेगा।

तकनीकी से लैस ड्रोन अंधेरे में भी उड़ान भरेगा और किसी को पता भी नहीं चलेगा। इस ड्रोन में अंधेरे या आड़ में छुपकर बैठे मानव को थर्मल इमेजिंग की मदद से पकड़ने की क्षमता है। आरआइ दीपक पाटिल के अनुसार आगजनी, सड़क हादसे, बाढ़ या अन्य आपात स्थितियों में ड्रोन मौके का त्वरित सर्वे कर पुलिस और राहत टीमों को सटीक जानकारी देंगे। इससे रेस्क्यू ऑपरेशन की प्लानिंग बेहतर होगी और समय की बचत होगी।

हाईटेक कदम उठाने जा रही मप्र पुलिस

- त्योहारों और जुलूसों, रैलियों और बड़े धार्मिक आयोजनों में हो चुका है ड्रोन का उपयोग
- इंदौर में पुलिस की साप्ताहिक कांबिंग गश्त में भी ड्रोन से पेट्रोलिंग करवाई जा रही
- पुलिस के पास 12 ड्रोन कैमरे हैं, नौ थाना प्रभारी पहले ही कर रहे हैं ड्रोन पेट्रोलिंग

सामरिक निर्णय पर सवाल

अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव अब केवल सैन्य टकराव नहीं रह गया है, बल्कि यह वैश्विक शक्ति संतुलन, ऊर्जा सुरक्षा और रणनीतिक प्राथमिकताओं की जटिल कहानी बन चुका है। हाल के घटनाक्रम इस ओर इशारा करते हैं कि डोनाल्ड ट्रंप इस संघर्ष को समाप्त करने के लिए पहले से अधिक उत्सुक हैं- और वह भी बिना उस लक्ष्य को पूरी तरह हासिल किए, जिसे कभी निर्णायक माना जा रहा था: स्ट्रैट ऑफ होर्मुज का पूर्ण रूप से खुलना। यह बदलाव केवल एक सामरिक निर्णय नहीं, बल्कि एक बड़े सवाल को जन्म देता है- क्या अमेरिका अब 'पूर्ण विजय' की अवधारणा से पीछे हट रहा है? या फिर यह स्वीकार कर लिया गया है कि आधुनिक युद्धों में जीत की परिभाषा बदल चुकी है? स्ट्रैट ऑफ होर्मुज, जहां से दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति का बड़ा हिस्सा गुजरता है, आज भी अनिश्चितता के घेरे में है। इस जलमार्ग पर नियंत्रण केवल आर्थिक नहीं, बल्कि भू-राजनीतिक प्रभाव का प्रतीक भी है। फिर भी, यदि अमेरिका इसे खोले बिना ही संघर्ष समाप्त करने को तैयार है, तो यह संकेत देता है कि उसकी प्राथमिकताएं बदल चुकी हैं। अब लक्ष्य क्षेत्रीय स्थिरता से ज्यादा, प्रतिद्वंद्वी की क्षमताओं को सीमित करने पर केंद्रित दिख रहा है। अमेरिका का नया दृष्टिकोण–ईरान की नौसैनिक शक्ति को कमजोर करना, मिसाइल कार्यक्रम को सीमित करना और भविष्य के खतरों को कम करना- एक तरह से 'नियंत्रित सफलता' की रणनीति है। यह उस सोच को दर्शाता है जिसमें युद्ध का उद्देश्य निर्णायक जीत नहीं, बल्कि जोखिम को प्रबंधित करना बन जाता है। लेकिन यहां एक गहरी चिंता भी छिपी है। यदि वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति का इतना महत्वपूर्ण मार्ग अस्थिर बना रहता है, तो इसका असर केवल मध्य-पूर्व तक सीमित नहीं रहेगा। तेल की कीमतों में अस्थिरता, आपूर्ति में बाधाएं और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर दबाव ये सभी संभावित परिणाम हैं। ऐसे में यह सवाल उठता है कि क्या अल्पकालिक रणनीतिक लाभ के लिए दीर्घकालिक अस्थिरता को नजरअंदाज किया जा रहा है? ट्रंप प्रशासन का कूटनीति की ओर झुकाव, और सैन्य विकल्प को फिलहाल पीछे रखना, निश्चित रूप से एक व्यावहारिक कदम माना जा सकता है। परंतु यह भी उतना ही स्पष्ट है कि यह रणनीति जोखिमों से खाली नहीं है। यदि बातचीत विफल होती है और जिम्मेदारी सहयोगी देशों पर डाली जाती है, तो क्या यह अमेरिका की वैश्विक नेतृत्व भूमिका को कमजोर नहीं करेगा? आज की दुनिया में युद्ध केवल हथियारों से नहीं, बल्कि निर्णयों से जीते और हारे जाते हैं।

बहरीन में अमेजॉन पर हमले के बाद हालात गंभीर, भारत बन सकता है नया टेक हब

सुनील भंडारी
स्तंभकार

मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव और खासकर हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य क्षेत्र में ईरान से जुड़े संभावित खतरों के कारण वैश्विक टेक कंपनियां अब अपने डेटा इन्फ्रास्ट्रक्चर को लेकर अधिक सतर्क हो गई हैं। हालिया घटनाओं में ईरान समर्थित समूहों द्वारा क्षेत्र में रणनीतिक ठिकानों को निशाना बनाने की धमकियां शामिल हैं। इसने अमेजॉन माइक्रोसॉफ्ट गूगल, एप्पल, और मेटा जैसी कंपनियों को वैकल्पिक लोकेशन तलाशने पर मजबूर कर दिया है। ताजा घटनाक्रम में बहरीन स्थित अमेजॉन वेब सर्विसेज (AWS) के एक प्रमुख डेटा सेंटर पर ड्रोन और मिसाइल हमला किया गया, जिससे क्षेत्र में सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता पैदा हो गई है। इस हमले में भारी संरचनात्मक नुकसान की खबर है। प्रारंभिक रिपोर्ट्स के अनुसार डेटा सेंटर के कुछ हिस्सों में आग लग गई, बैकअप पावर सिस्टम प्रभावित हुए और कई सर्वर अस्थायी रूप से बंद हो गए इसके अलावा दर्जनों क्लाउड आधारित सेवाएं बाधित हुईं।

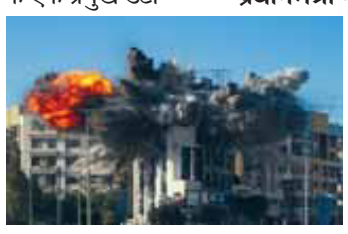

इसका असर बैंकिंग, फिनटेक, ई-कॉमर्स और राइड-हेलिंग सेवाओं पर देखा गया। कई कंपनियों को अपने ऑपरेशंस अस्थायी रूप से रोकने पड़े या बैकअप सर्वर पर शिफ्ट करना पड़ा। हमले के बाद अमेजॉन ने अपने ग्राहकों को एडवाइजरी जारी करते हुए डेटा बैकअप और मल्टी-रीजन स्ट्रैटेजी अपनाने की सलाह दी है। इस हमले के बाद स्थिति और संवेदनशील हो गई है। पहले ही एप्पल, गूगल, माइक्रोसॉफ्ट मेटा, और एनवीडिया जैसी कंपनियों को संभावित खतरे की चेतावनी दी जा चुकी है। कई कंपनियों ने अपने मध्य पूर्व स्थित कार्यालयों में कर्मचारियों की संख्या घटाने और रिमोट ऑपरेशन की दिशा में कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। उल्लेखनीय है कि पिछले वर्षों में यूनाइटेड अरब अमीरात (यूएई) ने खुद को डेटा सेंटर और दृढ़ हब के रूप में स्थापित किया था। लेकिन मौजूदा सुरक्षा हालात ने इस रणनीति को कमजोर कर दिया है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर ही सुरक्षित नहीं रहेगा, तो अरबों डॉलर का निवेश खतरे में पड़ सकता है और कंपनियां वैकल्पिक लोकेशन की तलाश तेज करेंगी।

भारत की ओर बढ़ता रुझान: इन हालात के बीच वैश्विक टेक कंपनियों के लिए भारत एक सुरक्षित और स्थिर विकल्प के रूप में तेजी से उभर रहा है। पहले से ही कई कंपनियां भारत में बड़े निवेश की घोषणा कर चुकी हैं अमेजॉन ने 2030 तक 35 अरब डॉलर की निवेश योजना बनाई है। माइक्रोसॉफ्ट ने 17.5 अरब डॉलर का निवेश घोषित किया है। गूगल भारत में एआई और बड़े डाटा सेंटर बनाने पर काम कर रही हैं।

विशाखापत्तनम (विजाग): उभरता नया डेटा सेंटर हब: आंध्र प्रदेश का विशाखापत्तनम (विजाग) तेजी से भारत के नए डेटा सेंटर और टेक्नोलॉजी हब के रूप में उभर रहा है। यहां बड़े पैमाने पर हाइपरस्केल डेटा सेंटर विकसित किए जा रहे हैं। समुद्र के किनारे होने के कारण कूलिंग लागत कम होती है। अंडरसी केबल कनेक्टिविटी इसे अंतरराष्ट्रीय डेटा ट्रैफिक के लिए उपयुक्त बनाती है। राज्य सरकार आईटी और डेटा सेंटर निवेश को बढ़ावा देने के लिए विशेष नीतियां लागू कर रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि विजाग आने वाले वर्षों में दक्षिण एशिया का प्रमुख डेटा गेटवे बन सकता है। यह शहर मध्य पूर्व के संघर्ष क्षेत्रों से दूर है, जिससे जोखिम कम होता है। अंतरराष्ट्रीय सबमरीन केबल्स के लिए इसकी अनुकूल लोकेशन है और तेजी से विकसित होता आईटी और इंडस्ट्रियल इकोसिस्टम मौजूद है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विजन: नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए कई कदम उठाए हैं। डिजिटल इंडिया के तहत देशभर में इंटरनेट कनेक्टिविटी, डिजिटल सेवाएं और ई गवर्नेंस को बढ़ावा मिले जिससे डाटा सेंटर की मांग तेजी से बढ़ी। सरकार ने संवेदनशील डाटा को देश के भीतर स्टोर करने पर जोर दिया जिससे अंतरराष्ट्रीय कंपनियों को भारत में डाटा सेंटर स्थापित करने के लिए प्रोत्साहन मिला। डाटा सेंटर पार्क बिजली आपूर्ति और टैक्स में रहता जैसी नीतियों ने विदेशी निवेशकों का भरोसा बढ़ाया। सरकार ने सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को बढ़ावा देने के लिए बड़े स्तर पर योजनाएं शुरू की हैं जिससे भारत का टेक इकोसिस्टम मजबूत हुआ है।

तेजी से बढ़ता डाटा सेंटर सेक्टर : मध्य पूर्व–खासकर बहरीन और दुबई अब तक डेटा सेंटर के प्रमुख केंद्र रहे हैं। लेकिन क्षेत्रीय अस्थिरता के कारण कंपनियां 'चैन+ 1' की तरह 'मिडिल ईस्ट+1' रणनीति अपनाने लगी हैं, जिसमें भारत, सिंगापुर और दक्षिण-पूर्व एशिया के अन्य देश शामिल हैं।

विशेषज्ञों के अनुसार भारत की डाटा सेंटर क्षमता 2030 तक 1.3 गीगावॉट से बढ़कर 6.5 गीगावॉट से अधिक हो सकती है वहीं 2027 तक इस सेक्टर में कुल निवेश 100 अरब डालर तक पहुंचाने का अनुमान है। भारत हर साल करीब 8 लाख इंजीनियर तैयार करता है और वैश्विक सेमीकंडक्टर डिजाइन वर्क फोर्स का भी 20% हिस्सा यहां मौजूद है इसके साथ ही राजनीतिक स्थिरता और संतुलित विदेश नीति भारत को और आकर्षक बनाती है। इन पहलों ने भारत को वैश्विक टेक कंपनियों के लिए भरोसेमंद गंतव्य बनाया है। बहरीन में अमेजॉन डेटा सेंटर पर हुए हमले ने यह स्पष्ट कर दिया है कि अब डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर भी युद्ध और भू-राजनीतिक संघर्ष का नया लक्ष्य बन चुका है। ऐसे में भारत विशेषकर विशाखापत्तनम जैसे उभरते हब, वैश्विक कंपनियों के लिए सुरक्षित, स्थिर और दीर्घकालिक विकल्प के रूप में तेजी से सामने आ रहे हैं। यदि मौजूदा हालात जारी रहते हैं, तो आने वाले समय में भारत वैश्विक डेटा सेंटर और टेक निवेश का केंद्र बन सकता है।

–यह लेखक के अपने विचार हैं।

शिक्षित - अशिक्षित महिलाओं का अंधविश्वासी होना भी उनके यौन शोषण का बड़ा कारण

निर्मल रानी
स्तंभकार

महिलाओं को देवियां कहकर संबोधित करने व देवियों की पूजा करने वाले हमारे देश में आये दिन महिलाओं के यौन शोषण की नई से नई व घिनौनी से घिनौनी ख़बरें सामने आती रहती हैं। वैसे तो राजनीति,निजी व सरकारी सेवा क्षेत्र,शैक्षणिक संस्थान आदि सभी क्षेत्रों में महिलाओं के यौन शोषण की ख़बरें सुनाई देती हैं परन्तु बड़े ही दुःख व शर्म की बात यह है कि महिलाओं का सबसे अधिक शोषण उनके अन्धविश्वास के चलते या उनकी धर्मान्धता के कारण होता है। देश के अनेक बड़े से बड़े स्वयंभू धर्मगुरु जो ईश्वरीय अवतार होने तक का दावा किया करते थे, महिलाओं के यौन शोषण यहाँ तक कि बलात्कार व हत्या जैसे मामलों में जेल की सज़ा काट चुके हैं और कई अब भी जेलों में हैं परन्तु आश्चर्य यह है कि उनके काले कारनामों से पर्दा हटने के बावजूद ऐसे दुराचारी स्वयंभू धर्मगुरुओं के अनुयायियों ख़ासकर महिला अनुयायियों में कोई कमी नहीं देखी जा रही है। बल्कि उनके प्रति अंधआस्था रखने वाले लोग यह कहते सुने जाते हैं कि उनके गुरु जी को जबरन फंसाया गया है। शायद यही वजह है कि हमारे देश में आये दिन इस तरह के नित नये मामले सामने आते रहते हैं।

पिछले दिनों ऐसा ही हैरान करने वाला एक मामला महाराष्ट्र के नासिक से सामने आया। यहाँ अशोक खरात उर्फ़ अशोक कुमार उर्फ़ एकनाथ खरात नाम से प्रसिद्ध एक ज्योतिषी की हैरान कर देने वाली काली करतूत उजागर हुई। इस व्यक्ति का नासिक के कनाडा कॉर्नर क्षेत्र में ओकस प्रॉपर्टी डीलर्स एंड डेवलपर्स नाम से एक कार्यालय था जो ज्योतिष के केंद्र के रूप में प्रसिद्ध था । उसके क़रीब ही सिन्नर में उसका एक विशाल फ़ार्म हाउस था जिसमें उसने ईशान्येश्वर मंदिर बना रखा था। वह एक ट्रस्ट बनाकर इस व्यवस्था को स्वयं संचालित करता था। वह ख़ुद ही ट्रस्ट का प्रमुख था। उसके पास और भी अनेक संपत्तियां थीं। खरात के नेताओं, अधिकारियों, सेलिब्रिटी और व्यापारियों से भी गहरे संबंध थे। इस 67 वर्षीय पूर्व मर्चेंट नेवी कर्मचारी जो कि स्वयं को कैप्टन बताता था उसने ज्योतिष और आध्यात्मिक शक्तियों के नाम पर अनेक महिलाओं को अपने जाल में फंसाया हुआ था । वह स्वयं को रसूख़दार व शक्तिशाली ज्योतिषी व आध्यात्मिक गुरु बताता था। यहां तक कि भगवान शिव का अवतार होने का दावा भी किया करता था। यह व्यक्ति संपन्न ऊंचे रसूख़ वाली उच्च पदों पर आसीन महिलाओं व उच्च पदों पर विराजमान लोगों की पत्नियों को उनके व्यक्तिगत , पारिवारिक, वैवाहिक या फिर भविष्य व कैरियर संबंधी समस्याओं का समाधान बताने के बहाने से अपने कार्यालय या अपने फ़ार्म हाउस पर बुलाया करता था। इसके बाद वह उन महिलाओं की कुंडली देखता था। फिर किसी महिला को उसके पति की मौत का ख़तरा बताता तो किसी को कोई और पारिवारिक संकट बता देता। किसी को उसका भविष्य ख़राब होने की भविष्यवाणी कर देता तो किसी को गंभीर बीमारी का भय बता देता। और इसी की आड़ में वह पूजा-पाठ व अन्य धार्मिक अनुष्ठान करने की बातें किया करता था। यह स्वयंभू ज्योतिषी अपने कार्यालय या फ़ार्म हाउस के एक प्राइवेट केबिन में शुद्धिकरण या रीतियों के नाम पर अपना शिकार बनाने वाली महिलाओं को किसी पेय के माध्यम से ऐसा नशीला पदार्थ पिलाता जिससे वे बेहोश हो जातीं या फिर सम्मोहित हो जातीं। उसके बाद वह अपने कार्यालय में ही उन महिलाओं का यौन शोषण किया करता था। और वहां गुप्त रूप से लगे सी सी टी वी कैमरों से उनकी वीडियो रिकॉर्ड करता। बाद में इसी वीडियो के माध्यम से शिकार की गयी महिलाओं को डराता धमकाता। वह यह धमकी भी देता कि यदि उन्होंने किसी से इस घटना का ज़िक्र किया तो उनके पति की जान जा सकती है और उसका पूरा परिवार बर्बाद हो सकता है। वह उन महिलाओं को वीडियो वायरल करने की धमकी भी देता। और इसी के बहाने वह न केवल इन महिलाओं का बार-बार शारीरिक शोषण करता बल्कि उनसे पैसे भी ऐंठता रहता था।

बहरहाल आख़िरकार उस स्वयंभू आध्यात्मिक गुरु व स्वयंभू शिवावतार के पाप का घड़ा फूट ही गया। एक महिला ने पिछले दिनों उसकी पुलिस में शिकायत की कि तीन साल से भी अधिक समय तक उसने अपने इसी कुचक्र में उसे उलझाये रखा। जबकि अनेक महिलाएं या तो डर के मारे या अपनी बदनामी के भय से ख़ामोश रहीं। इसी महिला की शिकायत पर नासिक क्राइम ब्रांच ने पिछले दिनों उसके फ़ार्म हाउस पर छापा मारा। पुलिस को यहां से जो पेन ड्राइव मिले उसमें लगभग एक सौ के क़रीब महिलाओं की आपत्तिजनक वीडिओ प्राप्त हुई। इसके अलावा उसके ऑफ़िस और फ़ार्म हाउस से पिस्तौल, कारतूस व अनेक संदिग्ध दस्तावेज़ मिले व करोड़ों की संपत्ति का खुलासा हुआ। हद तो यह है कि इस व्यक्ति ने महिलाओं के हितों की रक्षा करने वाली महाराष्ट्र महिला आयोग की एक पूर्व अध्यक्ष को भी नहीं बख़्शा।इस के साथ भी उसकी आपत्ति जनक तस्वीरें व वीडिओ वायरल हुये। अब जबकि खरात पुलिस हिरासत में है और एस आई टी मामले की जांच कर रही है ऐसे में अब और भी कई महिलाएं शिकायत दर्ज कराने के लिये सामने आ रही हैं। परन्तु कई महिलायें अभी भी भय व बदनामी के चलते ख़ामोश हैं।

ऐसे में एक बार फिर वही सवाल पैदा होता है कि देश में पाखण्डी व दुराचारी प्रवृति के अनेकानेक धर्मगुरुओं, ज्योतषियों के तमाम काले कारनामों के उजागर होने के बावजूद भी आख़िर महिलायें क्योंकर ऐसे पाखंडियों के चंगुल में फँस जाती हैं? प्रायः अशिक्षित महिलाओं को तो ऐसे कुचक्रों में फंसता हुआ देखा ही जा चुका है परन्तु इस मामले ने तो सभी को इसलिये भी हैरान कर दिया है कि खरात ने शिक्षित व उच्च पदों पर रहने वाली या रसूख़दार परिवारों की महिलाओं को ही अपने जाल में फंसाया। इससे यह साफ़ ज़ाहिर है कि अंधआस्था व अंधविश्वास केवल ग़रीब व अशिक्षित महिलाओं में ही नहीं बल्कि शिक्षित महिलायें भी इसका शिकार हैं। इसलिये यह कहना ग़लत नहीं होगा कि महिलाओं का अंधविश्वासी होना भी उनके यौन शोषण का एक बड़ा कारण है।

–यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अलर्ट

पुरुषों के ब्रेस्ट की गांठ भी बन सकती है कैंसर , जागरूकता का है अभाव

ब्रेस्ट कैंसर के बारे में महिलाओं में जागरूकता बढ़ रही है, लेकिन पुरुषों में होने वाले ब्रेस्ट कैंसर के बारे में अभी भी अवेयरनेस नहीं है। आमतौर पर लोगों को लगता है कि पुरुषों में ब्रेस्ट कैंसर नहीं होता, लेकिन महिलाओं की तरह अब पुरुषों में भी ब्रेस्ट कैंसर के मामले बढ़ने लगे हैं। पुरुषों में ब्रेस्ट कैंसर के मामले फिलहाल 1% से भी कम हैं, लेकिन सबसे बड़ी चुनौती जानकारी का अभाव है। पुरुष ब्रेस्ट कैंसर के शुरुआती संकेतों को समझ नहीं पाते, जिससे कई बार इलाज में देरी हो जाती है।

सबसे पहले पुरुषों को इस बात की जानकारी होनी चाहिए कि महिलाओं की तरह उन्हें भी ब्रेस्ट कैंसर हो सकता है। ब्रेस्ट में गांठ या असामान्यता दिखने पर पुरुषों इसे नजरअंदाज नहीं करना

चाहिए। ब्रेस्ट में गांठ महसूस हो, निप्पल से डिस्चार्ज हो, निप्पल के पीछे दर्द हो, बगल में सूजन या गांठ दिखे तो तुरंत ब्रेस्ट की जांच करानी चाहिए।

पुरुषों में ब्रेस्ट कैंसर के कारण: पुरुषों में हार्मोन्स का असंतुलन, खासकर शरीर में एस्ट्रोजन हार्मोन का बढ़ना ब्रेस्ट कैंसर के बढ़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। पुरुषों में ब्रेस्ट कैंसर का सटीक कारण हमेशा स्पष्ट नहीं होता, लेकिन कुछ कारण इसका जोखिम बढ़ा सकते हैं जैसे शरीर में एस्ट्रोजन लेवल बढ़ना, परिवार में कैंसर का इतिहास, लिवर की बीमारियां, अंडकोष के रोग, बढ़ती उम्र और मोटापा। ब्रेस्ट कैंसर की जांच की प्रक्रिया महिलाओं और पुरुषों के लिए एक समान ही होती है, जिसमें फिजिकल एग्जामिनेशन, मैमोग्राफी, अल्ट्रासाउंड और बायोप्सी जैसी तकनीकों का उपयोग किया जाता है। पुरुषों में मेल बूब्स की समस्या तब होती है जब उनके शरीर में मेल हार्मोन टेस्टोस्टेरोन का स्तर कम होता है और फीमेल हार्मोन एस्ट्रोजन का लेवल बढ़ जाता है। कई बार स्टेरॉयड, दवाइयों या अल्कोहल के कारण भी ये समस्या हो सकती है। कई लोगों को इसके लिए सर्जरी कराने की जरूरत पड़ती है।

लाइफस्टाइल बदलें: मेल ब्रेस्ट कैंसर या मेल बूब्स की समस्या से बचने के लिए पुरुषों को अपनी लाइफस्टाइल पर खास ध्यान देना चाहिए। शराब, जंक और प्रोसेस्ड फूड से परहेज करें। मोटापा न बढ़ने दें। फिटनेस के लिए रोजाना एक्सरसाइज करें। ब्रेस्ट में जरा भी बदलाव नजर आए तो तुरंत एक्सपर्ट से अपनी जांच कराएं।

सुविचार

खुश रहना सीखो, यही सबसे बड़ा मोटिवेशन है। संतोष और आभार से जीवन सुंदर बनता है। – अज्ञात

निशाना

बस उलझते ही उलझते जा रहे

दिनेश मालवीय 'अश्क'

जग में सब संकट मे फंसते जा रहे हैं
बस उलझते ही उलझते जा रहे हैं।
एक तरफ कहते हैं वो आगे की सोचो
पृष्ठ भी पिछले पलटते जा रहे हैं।
मुल्क में जब से हुयी ज़्यादा तरक़्क़ी
जातियों फिरकों मे बंटते जा रहे हैं।
आचरण में तो नहीं कुछ ला सके हैं
बस किताबों को ही रटते जा रहे हैं।
चेतना व्यापक हुयी न हो के शिक्षित
खुद में ही बस हम सिमटते जा रहे हैं।
साथ पद के कद जो बढ़ता बात कुछ थी
खुद पदों के कद ही घटते जा रहे हैं।
क्या करें उम्मीद पहुंचेंगे कहीं हम
बेतरह खुद से भटकते जा रहे हैं।

यूजर्स गाइड

इंडक्शन चूल्हे का तापमान बार-बार बढ़ाना-घटाना सुरक्षित, किसी दुविधा की जरुरत नहीं

गैस सिलेंडर की किल्लत की खबरों के बीच लोगों ने धड़ल्ले से इंडक्शन चूल्हे खरीदे हैं। ऐसे में इंडक्शन चूल्हे के इस्तेमाल से जुड़े कई सवाल हैं, जिनका जवाब ये ग्राहक तलाश रहे हैं। ऐसा ही एक सवाल है कि क्या इंडक्शन चूल्हे को इस्तेमाल करते हुए उसका तापमान बार-बार बढ़ाना-घटाना सही है या नहीं? इस तरह के सवाल अक्सर लोग हमारी इंडक्शन चूल्हे से जुड़ी स्टोरी पर पूछते रहते हैं। दरअसल अभी तक रसोई गैस सिलेंडर से चलने वाले चूल्हे में आंच को कम-ज्यादा करना, खाना पकाने का एक आम तरीका रहा है। ऐसे में इस सवाल का उठना लाजमी है कि क्या इंडक्शन चूल्हे पर ऐसा करना सुरक्षित है या नहीं?

देखा जाए, तो इंडक्शन चूल्हे पर कुकिंग करते हुए उसका तापमान बढ़ाना-घटाना न सिर्फ पूरी तरह से सुरक्षित है बल्कि ऐसा करने के कई तरह के फायदे भी हैं। हालांकि कुछ सावधानियां हैं, जिनका ध्यान आपको ऐसा करते हुए रखना चाहिए। जैसे कि तापमान को अचानक कम से बहुत ज्यादा न करना और पकवान के लिहाज से सही तापमान या पावर को चुनना।

जिस तरह रसोई सिलेंडर के साथ इस्तेमाल होने वाले चूल्हे पर आंच को कम ज्यादा करना सुरक्षित होता है, उसी तरह इंडक्शन चूल्हे पर भी आप पावर को कम या ज्यादा जरूरत के मुताबिक करते रह सकते हैं। अगर आप ऐसा करना किसी वजह से सही नहीं मान रहे थे, तो बता दें कि डक्शन की तकनीक इसे बार-बार एडजस्ट करने के लिए ही बनी है। इंडक्शन चूल्हे पर मौजूद अलग-अलग बटन दबाकर आप कुकिंग और रेसिपी के अनुसार उसकी हीट या पावर को कम और ज्यादा कर सकते हैं। इसे लेकर किसी तरह की दुविधा मन में रखने की जरूरत नहीं है।

तापमान बढ़ाने-घटाने के फायदे: इंडक्शन चूल्हे का तापमान कुकिंग के दौरान बढ़ाना या घटाना न सिर्फ सुरक्षित है बल्कि इसके कई तरह के फायदे भी हैं। दरअसल जब आप कुकिंग के दौरान वॉट कम करते हैं, तो इससे बिजली की खपत घटती है। इसके अलावा इंडक्शन चूल्हे की टेक्नोलॉजी इस तरह काम करती है कि बर्तन के एक बार गर्म हो जाने के बाद तापमान को ज्यादा पर सेट करके रखने की जरूरत नहीं रह जाती। इसके अलावा ऐसा करके आप दूध या चाय आदि को उबलकर गिरने से बचा सकते हैं और ऐसा करके आप बर्तनों को भी खराब होने से बचा सकते हैं। हालांकि ऐसा करते हुए आपको कुछ सावधानियां जरूर बरतनी चाहिए।

अजब - गजब

शादी में दूल्हा-दूल्हन ने एक-दूसरे पर उड़ाईं चिंगारियां, लोग बोले- 'वेडिंग है या वेल्डिंग!'

आजकल शादियां सिर्फ रस्मों तक सीमित नहीं रह गई हैं, बल्कि हर कपल चाहता है कि उसकी शादी सबसे अलग और यादगार बने। इसी चाह में लोग नए-नए एक्सपेरिमेंट कर रहे हैं। कभी डांस एंट्री, कभी थीम वेडिंग, तो कभी कुछ ऐसा जो देखने वालों को चौंका दे। लेकिन कई बार यही 'कुछ अलग' करने की कोशिश खतरनाक भी साबित हो जाती है। ऐसा ही एक वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है, जिसे देखकर लोग हैरान तो हैं ही साथ-साथ उसपर अनोखी प्रतिक्रियाएं भी दे रहे हैं।

इस वीडियो में जयमाल का खूबसूरत माहौल नजर आता है। दूल्हा-दुल्हन स्टेज पर खड़े हैं और दोनों के हाथ में स्पार्कल गन है, जो आमतौर पर एंट्री को ग्रैंड बनाने के लिए इस्तेमाल की जाती है। लेकिन अचानक थोड़ी देर बाद पूरा माहौल बदल जाता है। दुल्हन अपनी स्पार्कल गन चालू करती है और सीधे दूल्हे की तरफ घुमा देती है। गन से निकलती चिंगारियां दूल्हे के ऊपर गिरने लगती हैं।

दूल्हे ने भी दिया करारा जवाब: दूल्हा भी पीछे नहीं रहता। वह तुरंत अपनी स्पार्कल गन का मुंह दुल्हन की ओर कर देता है। अब दोनों तरफ से एक-दूसरे पर चिंगारियों की बारिश शुरू कर देते हैं। कुछ पलों के लिए तो स्टेज का नजारा ऐसा लगने लगता है जैसे किसी फिल्म का एक्शन सीन चल रहा हो। कुछ लोग इसे 'स्टार वॉर्स स्टाइल फाइट' भी कह रहे हैं। हालांकि राहत की बात यह रही कि इस दौरान किसी को कोई चोट नहीं आई और न ही कपड़ों को कोई नुकसान हुआ। लेकिन यह नजारा देखकर वहां मौजूद मेहमान जरूर ही घबरा गए।

जैसे ही यह 'स्पार्कल फाइट' थोड़ी आगे बढ़ती है, परिवार के सदस्य और गेस्ट तुरंत बीच में आकर दोनों को रोकते हैं। कुछ लोग उन्हें डांटते हुए भी नजर आते हैं। दिलचस्प बात यह है कि अगले ही पल दूल्हा-दुल्हन एक-दूसरे का हाथ पकड़ लेते हैं, जैसे कुछ हुआ ही नहीं हो। यह पल देखकर लोग हंस भी रहे हैं और हैरान भी हो रहे हैं।

इस वीडियो को इंस्टाग्राम पर @nehavermamberma नाम के अकाउंट से शेयर किया गया है, जिसके कैप्शन में लिखा है- 'वेडिंग या वेल्डिंग?' अब तक इस वीडियो को 3 करोड़ 90 लाख से ज्यादा बार देखा जा चुका है और 5 लाख से ज्यादा लोगों ने इसे लाइक भी किया है। लोग इस वीडियो पर मजेदार कमेंट्स भी कर रहे हैं। किसी ने लिखा- 'भारत नौसिखियों के लिए नहीं है,' तो किसी ने कहा- 'हर क्रिया की प्रतिक्रिया होती है, ये साबित हो गया!'

न्यूज विंडो

प्रवेश उत्सव में खीर-पूरी से हुआ नन्हें विद्यार्थियों का स्वागत

गंजबासौदा। नए शैक्षणिक सत्र के शुभारंभ पर शहर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के शासकीय विद्यालयों में प्रवेश उत्सव उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया। इसी क्रम में शासकीय प्राथमिक शाला चक स्वरूप नगर में पहली कक्षा में प्रवेश लेने वाले नन्हें विद्यार्थियों का पारंपरिक तरीके से आरती उतारकर, तिलक लगाकर एवं पुष्पमाला पहनाकर आत्मीय स्वागत किया गया। विद्यालय के प्रवेश द्वार पर शिक्षकों ने बच्चों का स्वागत किया, वहीं वरिष्ठ विद्यार्थियों ने तालियां बजाकर उनका उत्साहवर्धन किया। पूरे विद्यालय परिसर में उत्सव जैसा वातावरण देखने को मिला। कार्यक्रम के दौरान शासन की योजना के अंतर्गत नवप्रवेशी विद्यार्थियों को निशुल्क पाठ्यपुस्तकों का वितरण भी किया गया। मध्यान्ह भोजन में विशेष रूप से खीर, पूरी एवं आलू की सब्जी परोसी गई, जिससे बच्चों में विशेष उत्साह दिखाई दिया। इस अवसर पर वार्ड क्रमांक-13 की पार्षद सरोज रामबाबू रघुवंशी, प्रधान अध्यापिका सीमा ठाकुर, शिक्षिका अंजना शर्मा, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता आभा शर्मा, पालक-शिक्षक संघ के अध्यक्ष बंटी कुशवाह, सामाजिक कार्यकर्ता देवेंद्र रघुवंशी, योगेश अग्रवाल सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मेधावी एवं नियमित विद्यार्थियों का भी सम्मान किया गया। ओलंपियाड में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले हर्ष कुशवाह, कक्षा-5 में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने पर शौर्य राजपूत तथा सर्वाधिक उपस्थिति के लिए कक्षा-4 की काव्या राजपूत को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। प्रवेश उत्सव के माध्यम से विद्यालय प्रबंधन ने नए विद्यार्थियों का स्वागत करने के साथ ही शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों के पालकों को शिक्षा के प्रति जागरूक रहने का संदेश भी दिया।

रीठी मोहास बायपास पर केमिकल से भरा ट्रक पलटा

कटनी। कटनी-दमोह मुख्य मार्ग पर स्थित रीठी मोहास बायपास पर केमिकल से भरा एक ट्रक पलट गया। हादसे में ट्रक चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। ट्रक गुजरात से सिंगरौली की ओर जा रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसा सामने से आ रहे तेज रफ्तार वाहन को बचाने के प्रयास में हुआ। केमिकल से भरा ट्रक स्पीड में था। चालक ने अचानक ब्रेक लगाए। वाहन को तेजी से मोड़ने की कोशिश की, जिससे वह अनियंत्रित होकर पलट गया।

छिंदवाड़ा के ग्राम सेजवाड़ा में बिजली गिरने से बड़ा हादसा

छिंदवाड़ा। छिंदवाड़ा के अमरवाड़ा थाना क्षेत्र के ग्राम सेज़वाड़ा में देर शाम आकाशीय बिजली गिरने से बड़ा हादसा हो गया। घटना में मां-बेटी घायल हो गईं, जबकि दो मवेशियों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं दो अन्य मवेशी गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार, गांव में पुनियाबाई और उनकी बेटी शोभा घर में काम कर रही थीं। इसी दौरान अचानक घर के पास आकाशीय बिजली गिर गई। बिजली गिरते ही जोरदार धमाके की आवाज भी सुनाई दी। जिससे आसपास दहशत फैल गई।

शासन से मिले राजस्व लक्ष्य को पूरा करने के लिए हुआ काम

बुरहानपुर ने भरा सरकारी खजाना, रजिस्ट्री निगम, परिवहन, राजस्व में करोड़ों की वसूली

बुरहानपुर। दोपहर मेट्रो

वित्तीय वर्ष 2025-26 की समाप्ति के साथ सरकार का खजाना भी भर गया। बुरहानपुर जिले में शासकीय विभागों ने करोड़ों की वसूली की। शासन से मिले राजस्व लक्ष्य को पूरा करने के लिए नगर निगम, रजिस्ट्री, खनिज, परिवहन सहित अन्य विभाग अपने-अपने लक्ष्य पूरे करने के लिए शासकीय अवकाश के दिन भी काम किया। कई विभागों की वसूली पिछले साल की तुलना में 5 से 10 फीसदी बढ़ोतरी रही।

शहरी क्षेत्र में नगर निगम के साथ राजस्व विभाग ने वसूली के लिए बकायादारों को नोटिस जारी किए थे।कुर्की, तालाबंदी और मौके पर पहुंचकर घरों पर दस्तक दी।लंबे समय से टैक्स जमा नहीं करने वालों पर विशेष नजर रखकर विशेष वसूली अभियान चलाया गया।यही कारण रहा कि वित्तीय वर्ष की समाप्ति से पहले विभागों ने शासन से मिले लक्ष्य के अनुरूप वसूली की।एक अप्रेल से नए वित्तीय वर्ष की शुरूआत होगी ऐसे में जमीनों की नई दरें लागू हो जाएगी। नगरीय निकाय विभाग से नगर निगम को 12 करोड रुपए टैक्स वसूली का वार्षिक लक्ष्य मिला था। निगम ने इस वित्तीय वर्ष में 13 करोड से अधिक की राशि वसूली कर लक्ष्य को पूरा किया। निगम आयुक्त संदीप श्रीवास्तव ने कहा कि निगम की डिमांड के अनुरूप अभी वसूली करना बाकी है।निगम द्वारा ई नगर पालिका पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन भुगतान के साथ अन्य सुविधाएं दी जा रही है।पोर्टल से ऐसे बकायादारों की सूची निकाली गई हैजिन्होने अभी तक टैक्स का भुगतान नहीं किया। ऐसे बकायादारों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

रजिस्ट्री : एक अप्रेल से जमीनों की नई गाइडलाइन लागू हो जाएगी। रजिस्ट्री विभाग ने 470 लोकेशन पर बढ़ोतरी प्रस्तावित की है। पुरानी दरों पर जमीनों की रजिस्ट्री कराने के लिए मंगलवार को अवकाश के दिन भी कार्यालय खुला तो लोगों की भीड़ रही। जिला पंजीयक पीपीएस तोमर ने बताया कि चालू वित्तीय वर्ष में शासन से 82 करोड का लक्ष्य मिला था। 30 मार्च तक विभाग ने 72 करोड का राजस्व प्राप्त किया। इस साल रजिस्ट्री कम हुई है,लेकिन राजस्व में पिछले साल की तुलना में बढ़ोतरी दर्ज की गई। नई दरों पर 8 आपत्तियां आई थी, जिसमें 6 आपत्तियां खारिज कर दो आपत्तियों को मान्य किया गया। ट्रांसपोर्ट नगर और दत्तत्रय नगर क्षेत्र में जमीनों की दरों को यथावत रखा गया है।

खनिज : खनिज विभाग भी वित्तीय वर्ष की लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए 137 प्रकरण में करोडो की वसूली की। जिला खनिज अधिकारी मेजरसिंह जमरा ने बताया कि शासन से विभाग को एक करोड 95 लाख का लक्ष्य मिला था। 3 करोड 21 लाख से अधिक की वसूली की गई।चालू वित्तीय वर्ष में विभाग ने अलग,अलग मामलो में करीब 137 से अधिक प्रकरण बनाकर जुर्माना भी लगाया था। बकाया वसूली के लिए अभियान चलाकर कार्रवाई करते हुए लक्ष्य प्राप्त किया।

राजस्व : राजस्व विभाग को शासन से 7 करोड रुपए वसूली का लक्ष्य मिला था। बुरहानपुर और नेपानगर अनुविभागीय क्षेत्र मिलाकर राजस्व विभाग ने 4 करोड 24 लाख से अधिक की वसूली की।डिप्टी कलेक्टर राजेश पाटीदार ने बताया कि शासन द्वारा भू राजस्व, डायवर्सन, अर्थदंड को लेकर वार्षिक लक्ष्य जारी किया जाता है।इस साल 7 करोड का लक्ष्य मिलने पर सभी क्षेत्रों में बकायादारों से वसूली की गई।

परिवहन : परिवहन विभाग से जिले को 27 करोड रुपए के टैक्स वसूली का लक्ष्य प्राप्त हुआ था। चालू वित्तीय वर्ष में विभाग ने 21 करोड 90 लाख से अधिक टैक्स की वसूली की है। जबकि पिछले साल परिवहन विभाग को 22 करोड का टैक्स मिला था। इस साल विभाग पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में पीछे रहा। जबकि शेष दिनों में टैक्स की वसूली के लिए अफसरों ने लगातार कार्रवाई की।

पॉलिश सेंटर में लगी आग, सामान खाक

छतरपुर। दोपहर मेट्रो

शहर से बड़े हादसे की खबर सामने आई है। यहां के व्यस्त चौक बाजार स्थित एक दुकान में अचानक आग लग गई। इस घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। जानकारी मिलने पर फायर ब्रिगेड की गाड़ियां स्थानीय पुलिस के साथ घटनास्थल पर पहुंच। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बुधवार दोपहर अचानक सोना-चांदी पॉलिश सेंटर में अचानक आग लगने से हड़कंप मच गया। आग की चपेट में पूरी दुकान आ गई।

मौके पर मौजूद लोगों के अनुसार, दुकान के अंदर एलपीजी सिलेंडर रखे हुए थे। दुकान में सिलेंडर होने के कारण मौके पर दहशत का माहौल बन गया। लोग आग बुझाने की कोशिश करना चाहते थे लेकिन सिलेंडर होने के डर से दुकान के पास जाने कतराने लगे। पॉलिश सेंटर में आग लगने की खबर लोगों ने तुरंत फायर ब्रिगेड और पुलिस को दी। सूचना मिलने पर दमकल की गाड़ियों के साथ स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को अपने नियंत्रण में

लिया। पुलिस ने देरी न करते हुए सबसे पहले आसपास के इलाके को खाली कराया। बताया जा रहा है कि दुकान का नाम अब्दुल उजाल पॉलिश एवं छिलाई सेंटर है जिसमें दोपहर को धुआं उठने के बाद अचानक आग लग गई। फायर ब्रिगेड ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। राहत की बात यह रही कि आग दुकान के भीतर रखे सिलेंडरों तक नहीं पहुंची। अगर सिलेंडरों में आग लगती तो एक बड़ा हादसा हो सकता था। पुलिस फिलहाल आग लगने के कारण का पता लगाने में जुटी है।

पुलिस विभाग में मैकेनिकल कर्मी द्वारा विवेचना कराने पर उठे सवाल

अनूपपुर। दोपहर मेट्रो

जिले में पुलिस विभाग की कार्यप्रणाली को लेकर एक नया विवाद सामने आया है। जानकारी के अनुसार, एक थाने में पदस्थ मैकेनिकल कर्मचारी द्वारा थाने में रहकर आपराधिक मामलों की विवेचना किए जाने की बात सामने आई है। इस मामले के उजागर होते ही विभागीय नियमों और प्रक्रिया पर सवाल खड़े हो गए हैं। सूत्रों के मुताबिक, पुलिस विभाग में मैकेनिकल कर्मचारी का कार्य तकनीकी और वाहन संबंधी व्यवस्थाओं तक सीमित होता है। नियमों के अनुसार विवेचना (इन्वेस्टिगेशन) का अधिकार केवल प्रशिक्षित पुलिस अधिकारियों—जैसे उप निरीक्षक, निरीक्षक या अन्य अधिकृत विवेचना अधिकारियों—को ही दिया जाता है। ऐसे में गैर-पुलिस या गैर-विवेचना श्रेणी के कर्मचारी द्वारा केस से जुड़े दस्तावेजों और प्रक्रिया में हस्तक्षेप गंभीर प्रशासनिक चूक मानी जा रही है। स्थानीय स्तर पर चर्चा है कि संबंधित कर्मचारी लंबे समय से थाने में रहकर कई मामलों के दस्तावेज तैयार करने, बयान लिखने और विवेचना से जुड़े कामों में सक्रिय भूमिका निभा रहा था। इस जानकारी के सामने आने के बाद आम नागरिकों में भी चिंता बढ़ गई है कि यदि विवेचना योग्य अधिकारी की जगह अन्य कर्मचारी जांच करेंगे तो मामलों की निष्पक्षता और वैधानिकता पर प्रश्नचिह्न लग सकता है। कानूनी जानकारों का कहना है कि आपराधिक मामलों की विवेचना एक संवेदनशील और विधिक प्रक्रिया है, जिसके लिए पुलिस प्रशिक्षण, अधिकार और जिम्मेदारी अनिवार्य होती है। यदि नियमों के विपरीत किसी अन्य कर्मचारी से यह कार्य कराया जाता है तो भविष्य में न्यायालय में मामलों की वैधता पर भी असर पड़ सकता है। इस पूरे प्रकरण को लेकर विभागीय स्तर पर जांच की मांग उठने लगी है। संगठनों ने जिम्मेदार अधिकारियों से स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी करने और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है।

नरवाई जलाने पर दो लोगों पर प्रकरण दर्ज

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

जिले में नरवाई जलाने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा। जनसंपर्क विभाग की जानकारी के अनुसार, कलेक्टर सोनिया मीना के नेतृत्व में पिछले दो महीनों से कार्यशालाएं, खेत पाठशालाएं और कृषि रथों के माध्यम से किसानों को नरवाई प्रबंधन की तकनीकें सिखाई जा रही हैं, फिर भी नियम तोड़ने वालों पर एफआईआर और भारी जुर्माने की कार्रवाई तेज हो गई है।आईसीएआर की सैटेलाइट रिपोर्ट में जिले में कुल 2090 नरवाई जलाने की घटनाएं दर्ज की गईं। धारा 163 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 के तहत सख्ती बरती जा रही है।सिवनीमालवा में 5 लाख 46 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया, साथ ही 2 एफआईआर दर्ज की गईं। बनखेड़ी तहसील के ग्राम कामती और कोंडापड़रई में 2 एफआईआर, जबकि परसवाड़ा, बहरावन, माल्हनवाड़ा व पथकुही में 13 किसानों पर 37,500 रुपये का दंड लगाया गया। पिपरिया तहसील के तरौनकलां व सिंगनामा में 2 किसानों पर 5,000 रुपये का जुर्माना ठोका गया।अपर कलेक्टर अनिल जैन ने कहा, ÷नरवाई जलाना मिट्टी की उर्वरता, हवा की गुणवत्ता और किसानों के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है। हम अपील करते हैं, तकनीक अपनाएं, आग न लगाएं।÷ प्रशासन जागरूकता अभियान जारी रखे हुए है।

करौली शंकर महादेव बने श्री पंचायती अखाड़ा नया उदासीन निर्वाण के महामण्डलेश्वर

अनूपपुर। दोपहर मेट्रो

योग,मंत्र दीक्षा,ध्यान साधना व भारतीय संस्कृति के संवाहक करौली शंकर महादेव को श्री करौली शंकर महादेव धाम मिश्री मठ के परमाध्यक्ष करौली शंकर महादेव का पट्टाभिषेक समारोह श्री पंचायती अखाड़ा नया उदासीन निर्वाण (हरिद्वार,रिषकेश) में आयोजित भव्य समारोह में अखाड़ों के प्रतिनिधियों, संत-महंतों, गणमान्यजनों की उपस्थिति में विगत दिनों सम्पन्न हुआ। पंचायती अखाड़ा नया उदासीन निर्वाण में आयोजित भव्य समारोह में अखाड़ों,संत-महंतों, गणमान्यजनों की उपस्थिति में करौली शंकर महादेव का पट्टाभिषेक समारोह सम्पन्न हुआ। श्री पंचायती अखाड़ा नया उदासीन निर्वाण के पदाधिकारियों मुख्य रूप से मुखिया महंत भगतराम जी महाराज,मुखिया महंत आकाश मुनि जी,मुखिया महंत मंगलदास जी, अध्यक्ष महंत धूनी दास जी महाराज,सचिव मुखिया महंत जगतार मुनि जी, अध्यक्ष महंत गोपाल दास जी महाराज ने विधि-विधान से करौली शंकर महादेव महाराज का तिलक-चादर व पट्टाभिषेक सम्पन्न हुआ। पट्टाभिषेक समारोह को सम्बोधित करते हुए मुखिया महंत भगतराम जी महाराज ने कहा कि करौली शंकर महादेव योग,मंत्र दीक्षा,ध्यान साधना व भारतीय संस्कृति के संवाहक हैं,संतों का जीवन परमार्थ को समर्पित रहता है,करौली शंकर महादेव महाराज देश-दुनिया में मानव मात्र को कष्टों से मुक्ति दिलाने का भागीरथ कार्य कर रहे हैं,मुखिया महंत भगतराम जी महाराज ने कहा कि उन्हें आशा ही नहीं अपितु पूर्ण विश्वास है कि करौली शंकर महादेव श्री पंचायती अखाड़ा नया उदासीन निर्वाण की परम्पराओं का पालन करते हुए अखाड़े के मान-मर्यादा व सम्मान में वृद्धि करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगे। सचिव मुखिया महंत जगतार मुनि जी ने कहा कि नया अखाड़ा के महामण्डलेश्वर के रूप में करौली शंकर महादेव भगवान श्री श्री चन्द्र जी के विचारों और परम्पराओं को आत्मसात कर श्री पंचायती अखाड़ा नया उदासीन निर्वाण की गौरवशाली परम्परा को आगे बढ़ाने का कार्य करेंगे,उन्होंने कहा कि पंडित श्री राधा रमण जी मिश्र के सुयोग्य शिष्य के रूप में करौली शंकर महादेव का सबसे बड़ा योगदान यह था कि उन्होंने शिव तंत्र ज्ञान को अंधविश्वास से निकालकर स्मृति आधारित आध्यात्मिक विज्ञान के रूप में स्थापित किया।

मेट्रो एंकर

सांदीपनी विद्यालय में आयोजित हुआ विकासखंड का प्रवेशोत्सव आयोजन

अतिथियों ने छात्रों का तिलक लगाकर किया स्वागत, बांटी पुस्तकें

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

नवीन शिक्षण सत्र को लेकर शासकीय स्कूलों में प्रवेशोत्सव कार्यक्रम मनाए गए। नगर के शासकीय सांदीपनी विद्यालय में विकासखंड स्तरीय प्रवेशउत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर स्कूल परिसर में आयोजित उत्सव में नवीन कक्षाओं में छात्रों के प्रवेश कराने के साथ शिक्षा विभाग द्वारा पुस्तकों का वितरण भी किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नपाध्यक्ष मनमोहन साहू ने मध्यप्रदेश की डॉ मोहन यादव सरकार द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे क्रांतिकारी परिवर्तनों से छात्रों को अवगत करते हुए उनको उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह छोटे छोटे बच्चे ही आने वाले कल में भारत का भविष्य है। पार्षद रीना शर्मा ने शिक्षा के साथ छात्रों से गुणात्मक विकास करने की बात कहते हुए खेल कूद एवं रचनात्मक गतिविधियों भी बढ़चढकर

हिस्सा लेने की बात कही। अनुविभागीय अधिकारी हरिशंकर विश्वकर्मा ने शासन की मंशा से अवगत कराते हुए शाला प्रबंधन एवं शिक्षकों से उत्कृष्ट रिजल्ट प्राप्त करने के लिए छात्रों से पढ़ाई में कड़ी मेहनत करने एवं अनुशासन का पालन करने की बात कही। प्राचार्य महेश ताम्रकार ने शासन द्वारा छात्रों को प्रदान की जाने वाली सुविधाओं के बारे में बताया। छात्र एवं छात्राओं का मुख्य द्वार पर तिलक एवं पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया तत्पश्चात सरस्वती पूजन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।कार्यक्रम का संचालन शान मियां एवं आभार करन सिंह विश्वकर्मा द्वारा किया गया। इस अवसर पर जनपद में विधायक प्रतिनिधि हमीर सिंह यादव पार्षद तोशमनी पंथी संजय सोनी, सचिन शर्मा, विकासखंड शिक्षा अधिकारी पुष्पेंद्र वर्मा, बीआरसी जितेंद्र श्रीवास्तव सहित समस्त विद्यालय स्टाफ एवं छात्र एवं छात्राएं उपस्थित रहे।

गढ़पहरा के हनुमानः जहां भक्ति, शक्ति और इतिहास का होता है अनूठा संगम

सागर। दोपहर मेट्रो

जिले की ऐतिहासिक धरा पर स्थित गढ़पहरा का किला केवल पत्थरों का दुर्ग नहीं बल्कि बल्कि बुंदेलखंड के शौर्य, स्थापत्य कला और अटूट धार्मिक आस्था का जीवंत गवाह है। यहाँ की ऊँची पहाड़ियों पर विराजे हनुमान जी का प्राचीन सिद्ध मंदिर न केवल धार्मिक आस्था का केंद्र है, बल्कि यह क्षेत्र के सामाजिक और सांस्कृतिक ताने-बाने का अभिन्न हिस्सा भी है। यह क्षेत्र प्राचीन दांगी राजाओं की राजधानी रहा है, जहां आज भी हवाओं में इतिहास की गूँज और फिजाओं में बजरंगबली की भक्ति घुली हुई है। यहां स्थापित मंदिर को सिद्ध पीठ माना जाता है। गढ़पहरा (जिसे पुराना सागर भी कहा जाता है) की विंध्य पर्वत शृंखलाओं पर स्थित यह मंदिर अपनी ऊंचाई और भव्यता के लिए विख्यात है। मंदिर का शिखर दूर से ही श्रद्धालुओं को अपनी ओर आकर्षित करता है। हनुमान जी की प्रतिमा अत्यंत सौम्य किंतु तेजस्वी है, जो भक्तों में

निर्भयता का संचार करती है। यहाँ की प्राकृतिक सुंदरता मंदिर की दिव्यता को और बढ़ा देती है, जहां प्रकृति स्वयं बजरंगबली की आरती उतारती प्रतीत होती है। पहाड़ की सबसे ऊँची चोटी पर विराजे प्राचीन हनुमान जी का मंदिर यहां की आत्मा है। इस सिद्ध पीठ की महिमा को लेकर क्षेत्र में कई पुरानी लोक कथाएं प्रचलित हैं। बुजुर्गों की मानें तो यह मंदिर साक्षात चमत्कार का स्थल है। एक किंवदंती के अनुसार, दुर्ग पर आने वाले किसी भी अज्ञात संकट की सूचना हनुमान जी अदृश्य रूप में राजा को दे दिया करते थे। जनश्रुति है कि रात के पहर में पहाड़ पर शंख और नगाड़ों की ध्वनि सुनाई देती है, जिसे देव आरती माना जाता है। आषाढ़ मास में लगने वाला भव्य मेला और निशान (ध्वजा) चढ़ाने की परंपरा इस स्थान की धार्मिक महत्ता को और भी प्रगाढ़ करती है। भक्तों का अटूट विश्वास है कि यहां सच्चे मन से की गई अर्जी कभी खाली नहीं जाती, यही कारण है कि इसे सिद्ध पीठ के रूप में पूजा जाता है। गढ़पहरा की पहचान यहां आयोजित होने वाले भव्य आषाढ़ मेले से और भी प्रगाढ़ हो जाती है। वर्षा ऋतु के आगमन के साथ जब प्रकृति अपनी हरियाली की चादर ओढ़ती है, तब आषाढ़ माह में हर मंगलवार को यहां भक्ति का सैलाब उमड़ता है। यह मेला केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि बुंदेली लोक संस्कृति का दर्पण है।किसान अपनी नई फसल की सुख-समृद्धि की कामना लेकर पैदल आते हैं।

शौर्य का प्रतीकः गढ़पहरा का अभेद्य किला

गढ़पहरा का किला बुंदेली वास्तुकला और सामरिक दूरदर्शिता का अद्भुत उदाहरण है। 11वीं शताब्दी से लेकर 16वीं शताब्दी तक दांगी शासकों का केंद्र रहा यह दुर्ग, अपनी सुरक्षा संरचना के लिए विख्यात था। माना जाता है कि उस दौरान यह क्षेत्र बुंदेलखंड की राजनीति का केंद्र था। किले के अवशेष आज भी उस काल के वैभव की कहानी सुनाते हैं। ऊंची प्राचीरें और पत्थरों पर की गई नक्काशी यह बताती है कि यह स्थान कभी राजनीतिक सत्ता का प्रमुख केंद्र हुआ करता था। इतिहासकार मानते हैं कि राजा पृथ्वी सिंह के शासनकाल में इस किले ने अपनी भव्यता के चरम को छुआ था। मान्यता है कि यहां के शासकों ने अपनी सुरक्षा और आध्यात्मिक शांति के लिए इस सिद्ध पीठ की स्थापना की थी। मंदिर की बनावट और यहां मिले अवशेष बताते हैं कि यह स्थान सदियों से तपस्वियों की साधना स्थली रहा है।

न्यूज विंडो

सागर की यामिनी मौर्य ने अंतर्राष्ट्रीय जूडो में जीता स्वर्ण पदक

सागर. जिले की प्रतिभाशाली खिलाड़ी यामिनी मौर्य ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए भारत के लिए स्वर्ण पदक जीतकर जिले और प्रदेश का नाम रोशन किया है। 28 से 29 मार्च को सेनेगल में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय जूडो प्रतियोगिता में यामिनी मौर्य ने 57 किलोग्राम वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। यामिनी की इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर विधायक प्रदीप लारिया ने उनके पिता हरिओम मौर्य, माता श्रीमती मिथलेश मौर्य एवं कोच दीपक कुमार को बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि यामिनी की सफलता क्षेत्र के अन्य खिलाड़ियों के लिए प्रेरणास्रोत है। मध्यप्रदेश जूडो एसोसिएशन के सचिव नरेश ट्टवारे, टेक्निकल चेयरमैन तथा अंतर्राष्ट्रीय रेफरी डॉ. पूनिमा विसेन सहित अन्य खेल पदाधिकारियों ने भी यामिनी और उनके कोच को शुभकामनाएं दीं। विधायक प्रदीप लारिया ने कहा कि भविष्य में क्षेत्र के और खिलाड़ियों को प्रोत्साहित किया जाएगा, जिससे वे अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश और देश का नाम रोशन कर सकें। इस अवसर पर प्रभूदयाल पटेल, सौरभ केशरवानी, रामप्रसाद विश्वकर्मा, योगेश पटेल एवं आशुतोष ठाकुर सहित अनेक जनप्रतिनिधियों ने भी बधाई दी।

कर्मचारी मंच को नया नेतृत्व, कौशल सिंह पोर्ते जिला अध्यक्ष नियुक्त

तेंदूखेड़ा। मध्यप्रदेश कर्मचारी मंच द्वारा संगठन विस्तार एवं कर्मचारियों की समस्याओं के प्रभावी निराकरण हेतु महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। मंच के प्रांतीय महामंत्री राजूशील यादव ने संगठन के संविधान में प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए, प्रांताध्यक्ष अशोक पाण्डेय की सहमति एवं संभागीय सचिव मिथलेश कुमार शाडिल्य की अनुशंसा पर दमोह जिले के जिला अध्यक्ष पद पर कौशल सिंह पोर्ते माध्यमिक शिक्षा, शासकीय माध्यमिक शाला फुलर, जनशिक्षा केन्द्र सर्रा, विकासखण्ड तेंदूखेड़ा को मनोनीत किया है। नवनियुक्त जिला अध्यक्ष श्री पोर्ते से अपेक्षा की गई है कि वे जिले के समस्त विभागों एवं संवर्गों के कर्मचारियों की समस्याओं के निराकरण हेतु सक्रिय भूमिका निभाएंगे तथा समय-समय पर आवश्यक पहल करेंगे। वे संगठन के उद्देश्यों के अनुरूप कार्य करते हुए कर्मचारियों और प्रशासन के बीच समन्वय स्थापित करेंगे। साथ ही उन्हें निर्देशित किया गया है कि वे प्रांताध्यक्ष के मार्गदर्शन में कार्य करते हुए एक माह के भीतर जिला एवं विकासखंड स्तर पर संगठन की कार्यकारिणी का गठन सुनिश्चित करें तथा इसकी सूचना तत्काल प्रांताध्यक्ष को प्रेषित करें। संगठन के विस्तार और सुदृढ़ीकरण के लिए यह जिम्मेदारी अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

तेंदूखेड़ा के सैलवाड़ा गांव का मामला

कुएं के लिए खोदे गड्ढे में गिरकर किशोर की मौत

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

थाना क्षेत्र के अंतर्गत सैलवाडा गांव में एक 14 वर्षीय बालक की कुएं के लिए खोदे गए गड्ढे में डूबने से मौत हो जाने का घटनाक्रम सामने आया है। घटना के बाद मृतक बालक के माता-पिता का रो-रोकर बुरा हाल है। कुंए में गिरे बालक को परिजन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे जहां डॉक्टरों द्वारा मृतक घोषित कर दिया है। घटना की सूचना परिजनों ने पुलिस को दी गई, जहां स्वास्थ्य केंद्र पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी ली और बालक के शव का पोस्टमार्टम कराया गया।

घटना के संबंध में मिली जानकारी अनुसार सुमित पिता राजकुमार रैकवार उम्र 14 वर्षीय निवासी सैलवाड़ा थाना तेंदूखेड़ा है जो कि गांव के पास खेतों में महुआ बीनने गया था, लेकिन महुआ बीनते समय कब कुएं जा गिरा इसकी किसी को कोई जानकारी नहीं है। मृतक के पिता राजकुमार रैकवार ने बताया कि सभी लोग सुबह से महुआ बीनने गए थे और बीनकर वापस घर आ गए थे लेकिन सुमित फिर से 11 बजे महुआ बीनने की कहकर घर से साइकिल लेकर गया था और मैंने मना किया था लेकिन सुमित नहीं मना और आधा घंटे में आने की कहकर घर से चला गया, लेकिन जब 1 बजे तक सुमित नहीं आया और खेतों में जाकर देखा तो वहां पर सुमित नहीं दिखा महुआ के पेड़ के पास सिर्फ साइकिल खड़ी हुई है जब कहीं भी सुमित नजर नहीं आया तो पास में बन रहे कुएं के गड्ढे में देखा तो सुमित पानी के नीचे था जिसको बाहर निकाला गया और

पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों सौंपा

घटना की सूचना परिजनों द्वारा थाने पहुंचकर दी गई, जहां पुलिस ने मामला दर्ज कर स्वास्थ्य केंद्र पहुंचकर पंचनामा कार्रवाई करते हुए शव का पोस्टमार्टम कराया गया और शव परिजनों के सुपुर्द कर आगे की कार्रवाई शुरू की गई। सुमित का पोस्टमार्टम परिजनों की मौजूदगी कराया गया है। इस घटना ने क्षेत्र में खुले पड़े कुएं गड्ढे की खतरनाक स्थिति को एक बार फिर उजागर करती है। इस घटना के बाद लोग हादसों को रोकने के लिए कुआं पर लोही की जाली या सुरक्षा व्यवस्था की मांग कर रहे हैं। पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है।

इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर आए जहां डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

मृतक सुमित के पिता राजकुमार रैकवार ने बताया कि जब सुमित कहीं भी नजर नहीं आया था मुझे शक हुआ कि कहीं सुमित कुएं के लिए खुदे जा रहे गड्ढे में तो नहीं गिर गया तो मैंने अन्य लोगों की मदद से गड्ढे के अंदर जाकर देखा तो सुमित कुएं में डूब था जिसको बाहर निकाला गया और स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे जहां डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया हैं। राजकुमार रैकवार ने बताया कि मेरा इकलौता पुत्र था सुमित इस घटना से पूरे सैलवाड़ा ग्राम में शौक का माहौल है। सुमित के माता-पिता का रो-रोकर बुरा हाल बना हुआ है क्योंकि सुमित परिवार की एक उम्मीद था बताया गया है और सुमित पढ़ाई में भी तेज था अभी कक्षा आठवीं में पास हुआ है और इस वर्ष कक्षा नौवीं से पढ़ाई करता लेकिन उसकी मौत हो गई। वहीं मृतक के परिजनों ने बताया कि तालाब के पास खोदें जा रहे कुएं अनूप विश्वकर्मा का है जिसको एक माह पहले ही खोदा गया है।

ग्राम प्रस्फुटन समितियां जल संरक्षण में निभा रही हैं अहम भूमिका

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

ग्राम वमनोदा में जल गंगा संवर्धन अभियान - 2026 के तहत आयोजित जल शक्ति से नव भक्ति द्वितीय चरण कार्यक्रम में ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों ने जल संरक्षण और स्वच्छता के क्षेत्र में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका दिखाई। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा संचालित इस अभियान का उद्देश्य ग्रामीण समुदायों में जल संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना और प्राकृतिक जल स्त्रोतों के संरक्षण हेतु सामूहिक प्रयासों को प्रोत्साहित करना है। 28 मार्च 2026 से 30 जून 2026 तक चल रहे द्वितीय चरण कार्यक्रम के तहत ग्राम वमनोदा में स्थित स्कूल के पास कुएँ के ऊपरी हिस्से और आसपास की जमीन की सफाई की गई। जल पूजन, वृक्ष पूजन और दीप प्रज्वलन के माध्यम से जल संरक्षण का संदेश ग्रामीणों तक पहुँचाया गया। कार्यक्रम में ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति के अध्यक्ष लाखनसिह गौड, सचिव रामनरेश और अन्य सदस्य सक्रिय रूप से शामिल रहे। ग्राम के सामाजिक कार्यकर्ताओं और छात्र-छात्राओं ने भी स्वच्छता अभियान में योगदान दिया और जल स्त्रोतों के संरक्षण के प्रति संकल्प लिया। इस दौरान सभी ने मिलकर कुएँ की सफाई की, कचरा हटाया और प्राकृतिक जल स्त्रोतों को संरक्षित करने का संदेश दिया। ग्राम प्रस्फुटन समितियों ने इस अभियान में नेतृत्व प्रदान करते हुए ग्रामीणों को जागरूक किया और सामूहिक प्रयासों के माध्यम से जल संरक्षण की दिशा में ठोस कदम उठाए। उनका यह प्रयास स्थानीय स्तर पर जल संरक्षण की आदत को बढ़ावा देता है।

लूट के शातिर अपराधी सहित दो गिरफ्तार

धार। दोपहर मेट्रो

टांडा-बोरी रोड पर हुई लूट की वारदात का पर्दाफाश करते हुए पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है दो अन्य फरार हैं। पकड़े गए आरोपियों के पास से लूट का मोबाइल, टैबलेट और राजस्थान से चोरी की गई एक मोटरसाइकिल बरामद की गई है। कुल जब्त मशरूका की कीमत दो लाख रुपए से अधिक है। लूट की वारदात में गिरफ्तार आरोपी अंतरसिंह शातिर अपराधी है जो पूर्व में महाराष्?ट्र के कई जिलों में भी वारदातें कर चुका है। 12 मार्च को टांडा-बोरी रोड पर दो मोटरसाइकिलों पर सवार अज्ञात बदमाशों ने लूट की घटना को अंजाम दिया था। वारदात के बाद इलाके में दहशत का माहौल था। पुलिस ने फरियादी द्वारा बताए गए हुलिए और तकनीकी साक्ष्यों के आधार

पर आरोपियों की तलाश शुरू की थी। 1 अप्रैल को पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि लूट का सामान टैबलेट और आईफोन बेचने के लिए कुछ संदिग्ध आरोपी राजगढ़ की ओर जा रहे हैं। सूचना मिलते ही एसडीओपी कुक्षी सुनील गुप्ता और थाना प्रभारी संजय कुमार रावत के नेतृत्व में पुलिस की अलग-अलग टीमें गठित की गईं। राजगढ़ मार्ग पर पुलिस को देखकर बदमाशों ने पगडंडी के रास्ते भागने की कोशिश की, लेकिन घेराबंदी कर पुलिस ने दो आरोपियों को दबोच लिया। पकड़े गए आरोपियों की पहचान सुखराम पिता रेमसिंह वसुनिया निवासी पीपलवा और अंतरसिंह पिता खुरपसिंह निवासी गुराडिया के रूप में हुई है, मामले में दो अन?य फरार आरोपि?यों की तलाश की जा रही है। गिरफ्तार आरोपी अंतरसिंह एक शातिर अपराधी है, जो महाराष्ट्र के पांढुर्णा और अमरावती में चोरी व लूट के कई मामलों में फरार है। वह पूर्व में भी बोरी थाने के मामले में जेल जा चुका है। आरोपियों के पास से बरामद आर वन फाइव बाइक के बारे में पूछताछ करने पर उन्होंने इसे राजस्थान से चोरी करना कबूल किया है।

भोजशाला विवादः मुस्लिम पक्ष को लगा बड़ा झटका

एएसआई सर्वे से जुड़ी याचिकाओं पर हस्तक्षेप करने से सुप्रीम कोर्ट का इंकार

धार। दोपहर मेट्रो

भोजशाला परिसर को लेकर चल रहे कानूनी विवाद में मुस्लिम पक्ष को सर्वोच्च न्यायालय से बड़ा झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने एएसआई सर्वे से जुड़ी याचिकाओं पर हस्तक्षेप करने से इनकार करते हुए स्पष्ट कर दिया है कि मामला फिलहाल मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के अधिकार क्षेत्र में है और वही इस पर कानून के मुताबिक निर्णय लेगा। मुख्य न्यायाधीश सीजेआई सूर्यकांत की अगुवाई वाली बेंच ने सुनवाई के दौरान कहा कि उन्हें उच्च न्यायालय की कार्यप्रणाली पर पूरा भरोसा है।

कोर्ट ने स्पष्ट किया कि हाईकोर्ट सभी आपत्तियों पर प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के अनुसार विचार करेगा। सुप्रीम कोर्ट इस स्तर पर मामले की मेरिट पर कोई टिप्पणी नहीं करना चाहता। मुस्लिम पक्ष अपनी सभी शिकायतों और साक्ष्यों की मांग को लेकर वापस हाईकोर्ट जा सकता है। मुस्लिम पक्ष की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता सलमान खुर्शीद ने पैरवी की। उन्होंने कोर्ट के सामने मुख्य रूप से तीन बिंदु रखे थे, उन्होंने दलीलें दी की एएसआई की रिपोर्ट पर जवाब देने के लिए पर्याप्त समय नहीं दिया गया। सर्वे के दौरान की गई वीडियोग्राफी और रंगीन तस्वीरें मस्जिद कमेटी को उपलब्ध कराई जाएं और 2 अप्रैल से हाईकोर्ट में शुरू होने वाली सुनवाई को फिलहाल स्थगित किया जाए। हालांकि, सीजेआई सूर्यकांत ने इन दलीलों पर सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि वीडियोग्राफी का अवलोकन और अन्य तकनीकी आपत्तियों पर हाईकोर्ट ही उचित निर्णय लेगा। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस की ओर से अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन ने पहले ही सुप्रीम कोर्ट में कैविएट दायर कर दी थी। इसका अर्थ यह था कि मुस्लिम पक्ष की याचिका पर कोई भी फैसला सुनाने से पहले हिंदू पक्ष की बात सुनना अनिवार्य था। सुप्रीम कोर्ट के इस रुख के बाद अब सबकी निगाहें मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय की इंदौर खंडपीठ पर है। इंदौर हाईकोर्ट की डबल बेंच के समक्ष यह मामला 19वें नंबर पर सूचीबद्ध है।

मेट्रो एंकर

वार्ड 11 में पानी की गंभीर किल्लत से रहवासी हो रहे परेशान

नर्मदा जल नहीं पहुंचने से महिलाओं ने किया प्रदर्शन

तेंदूखेड़ा! दोपहर मेट्रो

नगर के वार्ड क्रमांक 11 में पिछले कई दिनों से पेयजल संकट गहराता जा रहा है। इस बार में ना तो नर्मदा जल और ना ही नगर परिषद का बोर जल पहुंच रहा है पानी की लगातार कमी के कारण वार्डवासियों में आक्रोश फैल गया है। स्थानीय महिलाओं ने इस समस्या के समाधान की मांग को लेकर नगर परिषद में विरोध प्रदर्शन किया और अधिकारियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। स्थानीय लोगों ने बताया कि वार्ड में बोरिंग सप्लाई और नर्मदा जल योजना के माध्यम से जल वितरण दोनों ही व्यवस्थाएं ठप हैं। इसके साथ ही टैंकरों के माध्यम से पानी की आपूर्ति भी नगण्य है। वार्डवासियों को पीने और दैनिक उपयोग के लिए पानी के लिए दूर-दूर तक जाना पड़ रहा है, जिससे उनका जीवन असुविधाजनक हो गया है। प्रदर्शन में शामिल महिलाओं ने नगर परिषद अधिकारियों और अध्यक्ष पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि पानी की आपूर्ति के नाम पर केवल कागजी काम किए जा रहे हैं, जबकि वास्तविक स्थिति जमीनी स्तर पर बेहद खराब है। उन्होंने यह भी आरोप

लगाया कि वार्ड पार्षद जनता की समस्याओं से अनभिज्ञ अपने घरों में आराम कर रहे हैं। महिलाओं ने चेतावनी दी कि यदि जल आपूर्ति व्यवस्था में जल्द सुधार नहीं किया गया, तो वे उग्र आंदोलन करने को मजबूर होंगी। उन्होंने प्रशासन से अपील की कि वार्ड में नियमित जल आपूर्ति सुनिश्चित की जाए और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाए। इस ज्ञापन में सुमंत्री भाई साहू, राम प्यारी विश्वकर्मा, गीता विश्वकर्मा, पुष्प साहू, सीमा चक्रवर्ती, मनीषा साहू, पिंकी रैकवार, भगवती झारिया, लक्ष्मी वर्मन, नेहा वर्मन, श्वेता आदिवासी, सावित्री मेहरा, मंजू वर्मन, नशीम बानो, अंजू गौर, विनीता सेन, जरीना बेगम, जाहिर बी, माया रैकवार, रजनी विश्वकर्मा आदि महिलाओं ने हस्ताक्षर किए। नगर परिषद के मुख्य नगर अधिकारी (सीएमओ) ने इस विषय पर कहा कि नर्मदा जल सप्लाई में मशीनों के बार-बार खराब होने के कारण दिक्कतें उत्पन्न हो रही थीं। हालांकि, इस समस्या को जल्द ही सुधारने के लिए टाटा कंपनी द्वारा नई पानी सप्लाई मशीन लगाई जा रही है। उन्होंने यह भी बताया कि समय-समय पर टैंकर भेजकर लोगों को पानी पहुंचाया जा रहा है और गुरुवार को शाम 4 बजे के बाद वार्ड 11 में जल आपूर्ति सुचारू रूप से चालू हो जाएगी। नगर परिषद ने आश्वासन दिया है कि आने वाले दिनों में जल आपूर्ति में सुधार और नियमितता सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

फीफा विश्वकप 2026: इतिहास का सबसे बड़ा संस्करण बनने जा रहा आयोजन

पहली बार 32 की जगह 48 टीमें टूर्नामेंट में लेंगी हिस्सा

न्यूयॉर्क , एजेंसी

फीफा विश्वकप 2026 इतिहास का सबसे बड़ा संस्करण बनने जा रहा है। पहली बार 32 की जगह 48 टीमें इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगी। यह टूर्नामेंट अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में संयुक्त रूप से आयोजित होगा। करीब ढाई साल तक दुनिया के हर कोने में क्वालिफिकेशन मुकाबले चले। छोटे देशों से लेकर दिग्गज टीमों तक, हर किसी को इस बार अपनी जगह पक्की करने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ी। अब 48 टीमों की पूरी लिस्ट सामने है और मंच तैयार है। यह सिर्फ एक टूर्नामेंट नहीं, बल्कि फुटबॉल की दुनिया का सबसे बड़ा महाकुंभ बनने जा रहा है।

फीफा के छह महाद्वीपीय संघों (कन्फेडरेशन) के जरिए टीमों का चयन हुआ। इस बार सबसे बड़ा बदलाव यह रहा कि छोटे देशों को भी मौका मिला। पहले जहां वर्ल्ड कप में जगह बनाना मुश्किल होता था, अब नए देशों के लिए दरवाजे खुले हैं। इससे टूर्नामेंट और ज्यादा प्रतिस्पर्धी बन गया है। मेजबान होने के कारण अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको को सीधे एंट्री मिली। बाकी टीमों को लंबे क्वालिफाइंग टूर्नामेंट और प्लेऑफ से गुजरना पड़ा।

एशिया (AFC): 9 टीमें
अफ्रीका (CAF): 10 टीमें
यूरोप (UEFA): 16 टीमें
दक्षिण अमेरिका (CONMEBOL): 6 टीमें
नॉर्थ/सेंट्रल अमेरिका (CONCACAF): 6 टीमें (मेजबान पहले से शामिल)
ओशिआनिया (OFC): 1 टीम

नया फॉर्मेट: कैसे खेला जाएगा टूर्नामेंट?

48 टीमों को 12 ग्रुप्स में बांटा गया है, हर ग्रुप में 4 टीमें होंगी। हर टीम ग्रुप स्टेज में तीन मैच खेलेगी। 39 दिनों में कुल 104 मैच खेले जाएंगे। ग्रुप की टॉप दो टीमें और आठ बेस्ट तीसरे स्थान वाली टीमें नॉकआउट स्टेज यानी राउंड ऑफ 32 में जाएंगी। इससे मुकाबलों की संख्या बढ़ेगी और हर मैच का महत्व भी ज्यादा होगा। राउंड ऑफ 32 में जीत हासिल करने वाली टीमें प्री क्वार्टरफाइनल (16 टीमें) में जाएंगी। राउंड ऑफ 16 में जीतने वाली टीमें फिर क्वार्टर फाइनल और वहां जीतने वाली टीमें फिर सेमीफाइनल में जाएंगी।

40 साल बाद इराक की वापसी: भावनाओं से भरी कहानी

इस वर्ल्ड कप की सबसे भावुक कहानी इराक टीम की रही। इराक ने 1986 के बाद पहली बार वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई किया। इंटरकॉन्टिनेंटल प्लेऑफ में उन्होंने बोलिविया को 2-1 से हराया। यह जीत सिर्फ एक मैच नहीं थी, बल्कि चार दशकों के इंतजार का अंत थी। युद्ध, राजनीतिक अस्थिरता और संसाधनों की कमी के बावजूद इराकी टीम ने हार नहीं मानी। उनकी यह उपलब्धि दिखाती है कि फुटबॉल सिर्फ खेल नहीं, बल्कि उम्मीद और जुनून का प्रतीक है।

इटली का लगातार तीसरी बार बाहर होना-बड़ा झटका

दूसरी तरफ, इटली की टीम का बाहर होना सबसे बड़ा उलटफेर रहा। चार बार की वर्ल्ड चैंपियन टीम लगातार तीसरी बार क्वालिफाई नहीं कर पाई। उन्हें बोस्निया और हर्जेगोविना ने पेनल्टी शूटआउट में हराया। यह नतीजा इटली के फुटबॉल सिस्टम पर गंभीर सवाल खड़े करता है। एक समय जो टीम दुनिया पर राज करती थी, अब लगातार असफल हो रही है।

यूरोप के प्लेऑफ-आखिरी दिन का हाई वोल्टेज ड्रामा

यूरोप में आखिरी दिन क्वालिफिकेशन बेहद रोमांचक रहा। स्वीडन ने पोलैंड को हराकर बदला लिया। तुर्किये ने कोसोवो को हराया। चेकिया ने डेनमार्क को पेनल्टी में हराया। हर मैच में आखिरी मिनट तक सस्पेंस बना रहा। यही वजह है कि वर्ल्ड कप क्वालिफिकेशन को फुटबॉल का सबसे कठिन रास्ता माना जाता है।

इंटरकॉन्टिनेंटल प्लेऑफ-आखिरी टिकट की जंग

इंटरकॉन्टिनेंटल प्लेऑफ में दुनिया के अलग-अलग महाद्वीपों की टीमों ने टक्कर ली। कॉन्गो ने जमैका को हराकर वर्ल्ड कप में जगह बनाई। इस टूर्नामेंट ने दिखाया कि अब फुटबॉल सिर्फ यूरोप और दक्षिण अमेरिका तक सीमित नहीं रहा। कॉन्गो, पुर्तगाल, उज्बेकिस्तान और कोलंबिया के ग्रुप में है।

ईरान विवाद और फीफा का स्टैंड

ईरान को लेकर काफी विवाद हुआ। राजनीतिक तनाव के कारण उनकी भागीदारी पर सवाल उठे। लेकिन फीफा अध्यक्ष गियानी इनफैनटिनो ने साफ किया, हम ईरान की टीम को पूरा समर्थन देंगे और वे अपने तय कार्यक्रम के अनुसार खेलेंगे। इस बयान के बाद स्थिति स्पष्ट हो गई और टूर्नामेंट पर मंडरा रहे सवाल खत्म हो गए।

लखनऊ सुपर जायंट्स और दिल्ली कैपिटल मैच में गरमाया माहौल...

ट्रिस्टन स्टब्स ने मारा चौका, प्रिंस हुए आगबबूला, देखने को मिली तनातनी

लखनऊ, एजेंसी

इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में बुधवार को लखनऊ सुपर जायंट्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच मुकाबले में ऋषभ पंत के ओपनिंग एक्सपेरिमेंट की चर्चा रही। एलएसजी के कप्तान ऋषभ पंत ने सिर्फ 7 रन बनाए और वो रन आउट हुए। ऋषभ अपने आईपीएल करियर में केवल छठी बार ओपनिंग करने उतरे थे।

ऋषभ पंत का प्रयोग कारगर साबित नहीं हुआ। वहीं इस मुकाबले के दौरान मैदान पर एक और घटना ने माहौल गरमा दिया। लखनऊ सुपर जायंट्स के गेंदबाज प्रिंस यादव और दिल्ली कैपिटल्स के बल्लेबाज ट्रिस्टन स्टब्स के बीच तनातनी देखने को मिली। पूरा मामला दिल्ली कैपिटल्स की पारी के 5वें ओवर में घटा। दरअसल, पांचवें ओवर की चौथी गेंद पर ट्रिस्टन स्टब्स ने प्रिंस यादव की शॉर्ट गेंद को शानदार अंदाज में पुल करते हुए चौका जड़ दिया। यह शॉट इतना दमदार था कि गेंद सीधे स्क्वायर लेग बाउंड्री पार कर गई। इसके बाद अगली ही गेंद पर प्रिंस यादव ने

लेंथ बॉल डाली, जिसे स्टब्स ने डिफेंड किया। लेकिन यहीं से मामला गर्म हो गया। गेंद फेंकने के बाद प्रिंस बल्लेबाज के पास तक चले गए और उन्हें घूरते नजर आए। ट्रिस्टन स्टब्स भी पीछे नहीं हटे और उन्होंने भी उसी अंदाज में जवाब दिया। दोनों खिलाड़ियों के बीच कुछ पल के लिए 'स्टेयरडाउन' की स्थिति बन गई, जिसने मैच का माहौल और गर्म कर दिया। हालांकि, मामला ज्यादा नहीं बढ़ा और अंपायर को दखल देने की जरूरत नहीं पड़ी, लेकिन इस छोटे से टकराव ने मुकाबले में रोमांच जरूर भर दिया।

पंत ओपनिंग में आए, रन आउट होकर पवेलियन लौटे

लखनऊ। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में बुधवार को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले में लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान ऋषभ पंत ने चौंकाने वाला फैसला लेते हुए ओपनिंग करने का जिम्मा संभाला। ऋषभ पंत ने कुल 9 गेंदों का सामना किया और सिर्फ 7 रन बनाकर आउट हो गए। उनकी पारी रन आउट के रूप में खत्म हुई, जो टीम के लिए बड़ा झटका साबित हुआ। तीसरे ओवर में मुकेश कुमार की आखिरी बॉल पर मिचेल मार्श ने सीधा शॉट खेला, जिसे गेंदबाज ने पकड़ने की कोशिश की। इस कोशिश में गेंद मुकेश के हाथ से छिटककर सीधे स्टम्प्स पर लग गई। उस समय ऋषभ पंत क्रीज से बाहर थे और इस तरह वह रन आउट हो गए। पिछले आईपीएल सीजन में ऋषभ पंत का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा था।

श्रेयस अय्यर पर चला बीसीसीआई का चाबुक!

स्लो ओवर रेट के कारण पंजाब के कप्तान को भरना पड़ा 12 लाख रुपये का जुर्माना

न्यू चंडीगढ़ , एजेंसी

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने आईपीएल 2026 में पहली बार सख्त कदम उठाते हुए श्रेयस अय्यर पर जुर्माना लगाया है। भले ही पंजाब किंग्स की टीम ने अपना मैच जीत लिया हो, लेकिन पीबीकेएस के कप्तान श्रेयस को स्लो ओवर रेट के कारण 12 लाख रुपये का जुर्माना भरना पड़ा। यह घटना आईपीएल के चौथे मुकाबले में हुई, जहां पंजाब किंग्स का सामना गुजरात टाइटंस से हुआ। मैच के दौरान पंजाब टीम तय समय में अपने ओवर पूरे नहीं कर पाई, जो आईपीएल के नियमों का उल्लंघन है। आईपीएल के आधिकारिक बयान में कहा गया, यह इस सीजन में टीम की पहली गलती थी, इसलिए कप्तान श्रेयस अय्यर पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। आईपीएल में हर टीम को तय समय में अपने ओवर पूरे करने होते हैं। ऐसा न करने पर कप्तान पर जुर्माना लगता है। पहली गलती पर कप्तान पर 12 लाख रुपये का जुर्माना है। बार-बार गलती पर सजा और कड़ी हो जाती है। इस मामले में अय्यर की यह पहली गलती थी, इसलिए सिर्फ आर्थिक दंड दिया गया। धीमी ओवरगति का दूसरा अपराध होने पर पंजाब कप्तान के साथ-साथ पूरी टीम को सजा दी जाएगी। कप्तान पर लगा जुर्माना दोगुना हो जाएगा, जबकि बाकी टीम और सब्सटीट्यूट खिलाड़ियों पर छह लाख रूपये या उनकी मैच फीस के 25 प्रतिशत में से जो कम हो, जुर्माना लगाया जाएगा।

बीसीसीआई ने नियमों में ढिलाई की थी

बीसीसीआई ने आईपीएल 2025 शुरू होने से पहले नियमों में ढिलाई दी थी। स्लो ओवर रेट पर कप्तानों को बैन करने के नियम को हटा दिया गया था। और अब सिर्फ जुर्माने से काम चलाया जाएगा। तब बैठक में इस बात पर सहमति बनी थी कि धीमी ओवर गति के लिए कप्तानों को डिमेरिट अंक दिए जाएंगे और जुर्माना लगाया जाएगा। प्रतिबंध केवल गंभीर मामलों में ही लगाया जाएगा। लेवल 1 के अपराध पर डिमेरिट अंकों के साथ 25 से 75 प्रतिशत मैच फीस काटी जाएगी, जिसकी गणना अगले तीन वर्षों के लिए की जाएगी। लेवल 2 का अपराध अगर वास्तव में गंभीर माना जाता है तो चार डिमेरिट अंक दिए जाएंगे। इसमें आगे कहा गया है कि, प्रत्येक चार डिमेरिट पॉइंट के लिए मैच रेफरी 100 प्रतिशत जुर्माना या अतिरिक्त डिमेरिट अंक के रूप में जुर्माना लगा सकता है। इन डिमेरिट पॉइंट के कारण भविष्य में मैच पर प्रतिबंध लग सकता है, लेकिन धीमी ओवर गति के लिए मैच पर प्रतिबंध (तुरंत) नहीं लगाया जाएगा।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

धुरंधर 2 में सिर्फ 1 सेकंड का रोल कर छाईं एक्ट्रेस

पोस्ट कर पूछा- मुझे किस-किसने देखा?

बॉक्स ऑफिस पर इन दिनों सिर्फ एक ही नाम की गूंज है और वह है बॉलीवुड के पावरहाउस कहे जाने वाले रणवीर सिंह। उनकी फिल्म धुरंधर 2 ने कमाई के मामले में झंडे गाड़ दिए हैं और सिनेमाघरों में जबरदस्त गर्दा उड़ाया हुआ है। फिल्म की सफलता का आलम यह है कि लोग न सिर्फ लीड एक्टर्स की तारीफ कर रहे हैं, बल्कि इसकी सपोर्टिंग एक्टर्स भी काफी वायरल हैं। कमाल की बात तो यह है कि फिल्म में मात्र एक सेकंड के लिए नजर आई एक एक्ट्रेस रातों-रात सोशल मीडिया पर वायरल हो गई है। ऑडियंस के बीच इस मिस्ट्री गर्ल को लेकर खासी उत्सुकता है कि आखिर वह कौन है जिसने इतनी कम स्क्रीन प्रेजेंस के बावजूद सबका ध्यान खींच लिया?

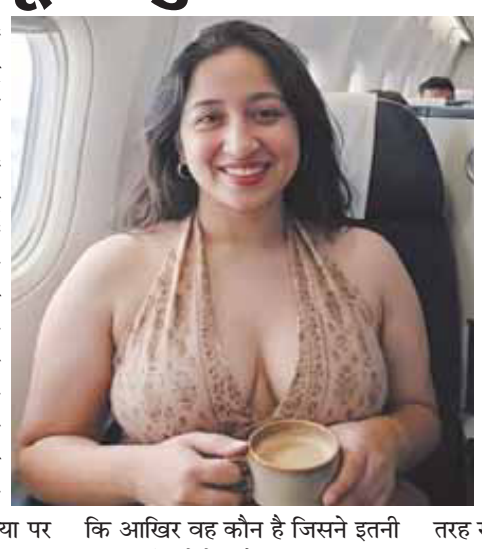

अगर आपने धुरंधर 2 देखी है, तो आपको फिल्म का वह हाई-वोल्टेज क्लाइमैक्स सीन जरूर याद होगा। इस सीन में रणवीर सिंह का किरदार काफी घायल हालत में होता है और वह भारत लौटने के लिए एक चार्टर्ड प्लेन में सवार होता है। जैसे ही वह प्लेन के अंदर कदम रखते हैं, वहां एक एयर होस्टेस को दिखाया जाता है। पर्दे पर यह सीन इतनी तेजी से गुजर जाता है कि शायद ही किसी ने गौर किया हो कि वह एक्ट्रेस कौन थी, क्योंकि फिल्म में उनका चेहरा भी पूरी तरह साफ नहीं दिख रहा था। लेकिन अब उस एक सेकंड की फुटेज ने सोशल मीडिया पर वायरल है।

कौन है वायरल हो रही एक्ट्रेस ?

इस वायरल हो रही एक्ट्रेस का नाम नियति पारीख है। दरअसल, नियति ने खुद अपने सोशल मीडिया हैंडल पर इस छोटे से लेकिन खास सीन की क्लिप शेयर की है, जिसके बाद से ही वह चर्चा में आ गई हैं। अपनी पोस्ट के साथ उन्होंने एक दिलचस्प कैप्शन भी लिखा, धुरंधर 2 में मुझे किस-किस ने देखा? उनके इस सवाल के बाद फैंस और फिल्म देखने वाले लोग अब उस सीन को दोबारा देख रहे हैं और उनकी मेहनत की सराहना कर रहे हैं। वहीं नियति के इंस्टाग्राम अकाउंट से पता चलता है कि वो उभरती हुईं इंफ्लुएंसर और एक्ट्रेस हैं। इंस्टाग्राम पर उनके महज 2500 ही फोलोअर्स हैं। जिसमें एक्ट्रेस ने धुरंधर के कई सितारों के साथ अपनी फोटोज भी शेयर की है।

ये नया सफर जरूर धमाल मचाएगा

'मंगल-देश की बेटी' के लिए दीपिका को फैंस ने दी बधाई

मुंबई । भारतीय टेलीविजन की दुनिया में कई शो होते हैं जो दर्शकों के दिल में अपनी खास जगह बना लेते हैं। ऐसे ही शो में से एक है मंगल लक्ष्मी, जो अब अपने नए अध्याय मंगल-देश की बेटी के साथ दर्शकों के सामने आ रहा है। इस नई कहानी में मुख्य किरदार मंगल नई जिम्मेदारियों और चुनौतियों का सामना करती हैं। अभिनेत्री दीपिका सिंह ने इस नई यात्रा को लेकर इंस्टाग्राम पर एक भावपूर्ण पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने अपनी खुशी, उत्साह और टीम के प्रति आभार जताया।

दीपिका ने अपने पोस्ट में लिखा कि वह इस नए चैप्टर को लेकर पूरी तरह से अभिभूत और उत्साहित हैं। उन्होंने दर्शकों को बताया कि इस कहानी में मंगल को देश की सेवा का अवसर मिलता है और वह खुद को विशेष महसूस करती हैं। दीपिका ने अपने कैप्शन में लिखा, मंगल-देश की बेटी के इस नए सफर को निभाने के लिए मैं बेहद खुश, रोमांचित और उत्साहित हूं।

उन्होंने अपने पोस्ट में टीम का भी धन्यवाद किया। दीपिका ने कहा कि पिछले 700 एपिसोड्स के दौरान पूरी टीम ने लगातार मेहनत और समर्पण दिखाया। उन्होंने बताया कि दर्शकों का समर्थन ही उनकी इस सफलता की सबसे बड़ी वजह है। उन्होंने अपने फैंस से हर एपिसोड देखने की अपील करते हुए कहा कि उन्हें उम्मीद है कि वे सोमवार से शुक्रवार रात 8:30 बजे इस शो का आनंद लेते रहेंगे। दीपिका के इस पोस्ट पर कई लोगों ने कमेंट्स किया। एक ने लिखा, दीपिका जी, आपका नया किरदार देखकर बहुत खुश हूं!

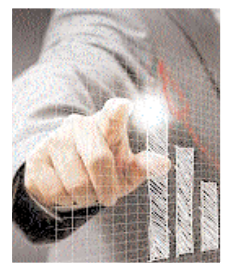

मेट्रो बाजार

भारत का डीजल निर्यात सात साल के उच्चतम स्तर पर ऑस्ट्रेलिया के लिए मददगार

नई दिल्ली। भारत के डीजल का दक्षिण-पूर्व एशिया में निर्यात मार्च में सात साल से अधिक समय में उच्चतम स्तर पर पहुंच गया, क्योंकि क्षेत्र और ऑस्ट्रेलिया में ईंधन की मांग में वृद्धि हुई, जो मध्य पूर्व से कच्चे तेल की आपूर्ति में व्यवधान के कारण हुई।यह ऑस्ट्रेलिया के लिए एक महत्वपूर्ण अंतर को भर रहा है, क्योंकि देश आयातित ईंधन पर बहुत निर्भर है और अपनी आपूर्ति का अधिकांश हिस्सा एशिया से प्राप्त करता है। ऑस्ट्रेलिया अब अपनी बची हुई रिफाइनरियों से देश की ईंधन की मांग का 20 प्रतिशत से भी कम हिस्सा पूरा करता है, जबकि बाकी की आपूर्ति क्षेत्रीय सप्लाई चेन के जरिए की जाती है। ऑस्ट्रेलिया टुडे के एक लेख के अनुसार, इस स्थिति में एशिया में भारत से आने वाला अतिरिक्त डीजल उस आपूर्ति के दायरे को बढ़ाने में मदद करता है, जहां से ऑस्ट्रेलिया खरीदारी कर सकता है; ऐसा इसलिए है क्योंकि खरीदार अब दूसरे विकल्पों की तलाश में जुटे हुए हैं। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, मार्च में लगभग एक मिलियन मीट्रिक टन डीजल भारत से दक्षिण-पूर्व एशिया और ऑस्ट्रेलिया भेजा गया, जिसमें लगभग आधा सिंगापुर के लिए गया और लगभग 90 प्रतिशत व्यापार रिलायंस इंडस्ट्रीज की ओर से शिप किया गया।

महिंद्रा एंड महिंद्रा ने मार्च की बिक्री में दर्ज की 21 प्रतिशत की जोरदार बढ़त, बेचीं 99,969 गाड़ियां

नई दिल्ली । भारत की प्रमुख ऑटोमोबाइल निर्माता कंपनी महिंद्रा एंड महिंद्रा ने बुधवार को बताया कि मार्च 2026 के लिए उसकी कुल ऑटो बिक्री 99,969 वाहनों की रही, जो निर्यात सहित सालाना आधार पर 21 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है। कंपनी के अनुसार, मार्च में घरेलू स्तर पर यूटिलिटी व्हीकल (यूवी) सेगमेंट में बिक्री 60,272 यूनिट रही, जो 25 प्रतिशत की बढ़ोतरी है। वहीं निर्यात सहित कुल यूवी बिक्री 62,109 यूनिट तक पहुंच गई। कमर्शियल व्हीकल सेगमेंट में भी कंपनी ने अच्छा प्रदर्शन किया। मार्च में घरेलू कमर्शियल व्हीकल की बिक्री 24,928 यूनिट रही, जो 11 प्रतिशत की बढ़त को दर्शाती है। कंपनी के एक्सपोर्ट की बात करें तो चालू वित्त वर्ष में अब तक कुल निर्यात 18 प्रतिशत बढ़कर 40,990 यूनिट हो गया, हालांकि मार्च में एक्सपोर्ट सालाना आधार पर 4 प्रतिशत घटकर 3,968 यूनिट रहा। कंपनी ने एक विज्ञप्ति में कहा कि पूरे वित्त वर्ष में कंपनी ने रिकॉर्ड बिक्री हासिल की। एसयूवी सेगमेंट में 6,60,276 यूनिट और 3.5 टन से कम वाले लाइट कमर्शियल व्हीकल में 2,89,597 यूनिट की बिक्री हुई, जो क्रमशः 20 प्रतिशत और 13 प्रतिशत की सालाना बढ़त है। कंपनी के ऑटोमोटिव डिवीजन के सीईओ नलिनीकांत गोल्लागुंटा ने कहा कि मार्च में एसयूवी की 60,272 यूनिट की बिक्री हुई, जो 25 प्रतिशत की वृद्धि है। वहीं 3.5 टन से कम वाले लाइट कमर्शियल व्हीकल की बिक्री 24,928 यूनिट रही, जो 11 प्रतिशत बढ़ी है। पैसेंजर व्हीकल सेगमेंट में कंपनी ने केवल यूटिलिटी व्हीकल की बिक्री दर्ज की है और विज्ञप्ति में किसी भी कार या वैन की बिक्री की कोई जानकारी नहीं दी गई। कमर्शियल व्हीकल और थ्री-व्हीलर सेगमेंट में, 2 टन से कम वाले एलसीवी की बिक्री 3,526 यूनिट पर स्थिर रही, जबकि 2 से 3.5 टन सेगमेंट में 13 प्रतिशत की बढ़त के साथ 21,402 यूनिट बिक्री हुई।

इन 'मददगारों' पर शिकंजा कसे बगैर समस्या के जड़ से खात्मे को लेकर आशंकाएं बरकरार

जंगल से माओवादियों के सफाए के बाद क्या अब 'अर्बन नक्सलियों' की बारी...

बस्तर से लौटकर राजेश सिरोठिया

छत्तीसगढ़ सहित देश के सभी नक्सल प्रभावित राज्यों के जंगली इलाकों में हिंसा फैलाने वाले माओवादियों के हिमायतियों का अब क्या होगा? केंद्र और राज्य की सरकारें उनसे किस तरह निपटेंगी ? दिल्ली से लेकर मुंबई और हैदराबाद,रांची, रायपुर, पटना और यहां तक कि भोपाल में भी बैठे इन तथाकथित अर्बन नक्सलियों ने माओवाद का कवच बनकर इस आंदोलन को तीन दशक से भी लंबा खींचा। वे राज्य और केंद्र सरकार से लेकर मानव अधिकार संगठन और अदालतों में उनके पक्ष में दलीलें देकर ढाल बनते थे। देश के जंगली इलाकों में पशुपतिनाथ से लेकर तिरूपति तक माओवादियों के रेड कॉरीडोर के सपनों को साकार करने और उनको रसद पानी से लेकर दवाओं तक का इंतजाम करने वालों में कुछ चेहरे तो उजागर हुए भी लेकिन कई अभी तक भी खुफिया जांच एजेंसियों के रॉडार से बचते रहे हैं। नक्सल प्रभावित इलाकों से होने वाली चौथ वसूली की रकम से लेकर विदेशी संगठनों से आर्थिक मदद के बदले उनको प्रोटेक्शन देने वाले इन अर्बन नक्सलियों के दानापानी के रास्ते केंद्र की मौजूदा सरकार लगभग बंद कर चुकी है। लेकिन, अपराधियों को प्रत्यक्ष या परोक्ष पनाह देने वालों की खोजबीन और धरपकड़ के बगैर दोबारा जंगलों में माओवाद का खतरे पनपने की आशंकाओं को कतई नहीं नकारा जा सकता। सरकार ने सरेंडर करने वाले नक्सली कमांडरों और छुटभैये माओवादियों के सरेंडर के बाद उनको समाज की मुख्यधारा में लाने तथा उनके पुर्नवास का काम तो तेज कर दिया है। लेकिन शहरी माओवादियों पर शिकंजा कसे बगैर इस समस्या के जड़ से खात्मे को लेकर आशंकाएं बरकरार हैं। आईजी बस्तर सुंदरराज का कहना है कि जांच के दौरान उनके जिन सहयोगियों के नाम सामने आएंगे उनके खिलाफ कानून के तहत कार्रवाई होगी। पापाराव और देवजी सरीखे बड़े कमांडरों से पड़ताल जारी करके उनके शहरी हिमायतियों के सुराम लगाने की कोशिश की जा रही है। सवाल यह भी है कि क्या इसमें झीरम घाटी कांड के सूत्रधारों का खुलासा हो सकेगा? नक्सलियों के मददगार के रूप में रायपुर में डाक्टर विनायक की गिरफ्तारी भर हुई । डेढ़ साल जेल में भी रहे। उन पर इलाज के नाम पर नक्सलियों की मदद करने का आरोप था। मुंबई की एक मशहूर लेखिका अक्सर बस्तर में नक्सली कैम्प में ठहरती थीं । बिलासपुर , रायपुर से सुधा भारद्वाज तो दिल्ली से एक सामाजिक कार्यकर्ता नंदिनी उनकी काफी मदद करती थीं । रवींद्र उपाध्याय बताते हैं कि नेपाल और बिहार के रास्ते रेल के जरिए नक्सलियों के लिए रसद पानी दुर्ग तक आती थी। फिर भानप्रतापुर के रास्ते बसों से बस्तर तक उसे पहुंचाया जाता था।

(जारी)

सबसे पहले नक्सली कहां से छत्तीसगढ़ में घुसे?

अविभाजित मप्र में नक्सलियों की दस्तक महाराष्ट्र के चंद्रपुर जिले (जो अब गढ़चिरोली जिला है) के धनौरा इलाके से हुई थी। राजनांदगांव जिले (अब छत्तीसगढ़ के मानपुर) के औंधी गांव में 1986 में पहली बार उनके मूव्हमेंट का पता चला था। उस वक्त मानपुर थाने के प्रभारी रवींद्र उपाध्याय ही थे। उन्होंने सबसे पहले राजनांदगांव एसपी को इसकी सूचना दी थी। 1993 में नक्सलियों ने मानपुर थाने में थाना प्रभारी सहित सभी पुलिस कर्मियों को बंधक बनाकर घाने से हथियार लूटे थे। राजनांदगांव एसपी के बतौर मप्र कॉडर के तेजतर्रार पुलिस अधीक्षक शैलेंद्र श्रीवास्तव (जो भोपाल में स्पेशल डीजी के रूप में रिटायरर्ड हो चुके हैं) ने राजनांदगांव को नक्सल प्रभावित जिला घोषित कराया था। उन्होंने थानों के आसपास नक्सलियों के मूवमेंट के बारे में सतर्क करने के लिए जिले के सभी नक्सल प्रभावित थानों में देशी कुत्ते पलवाए थे जो रात को पुलिस को भौंककर सचेत कर देते थे। श्रीवास्तव के कार्यकाल में ही ऐसे थानों की बाड़ेबंदी भी की गई थी। उन्होंने अपने इन अनुभवों को अपनी किताब में भी विस्तार से समेटा है।

महाराष्ट्र से बस्तर का बालाघाट वाला गलियारा चंद महीने पहले खतम हुआ

नक्सलियों ने महाराष्ट्र के चंद्रपुर, गढ़चिरौली से बालाघाट होते हुए कांकेर से बस्तर तक अपना गलियारा बना लिया था। कुछ नक्सली दलम ने बालाघाट में पैठ बनाई । बालाघाट में उन्होंने 15 दिसंबर 1999 को मंत्री लिखीराम कांवरे की बेरहमी से हत्या की तो उसके पहले एडीशनल एसपी एके बंसल सहित दर्जनों पुलिस कर्मियों को मारा। हाल ही में एक टीआई आशीष शर्मा हत्या को मारा जिसके बाद मप्र को दिस्बंर 2025 में नक्सली मुक्त घोषित किया गया। । इसके पहले शुरूआती दौर की बात करें तो कुछ नक्सली दलम ने मप्र के मंडला डिंडोरी में भी पैठ करने की कोशिश की थी । उधर यूपी के रास्ते संजय गांधी नेशनल पार्क के जंगलों के जरिए सीधी में भी घुसने का प्रॉयस किया था। यह कोशिश भी पुलिस ने नाकाम की। वहीं बालाघाट से मंडला तक फैले कान्हा नेशनल पार्क के कोर जोन में स्थित गांवों के पार्क एरिया से विस्थापित कराने के बाद नक्सली मूव्मेंट वहां घट गया। लेकिन छत्तीसगढ़ के बस्तर में 1991 से ही इसका हिंसक रूप सामने आने लगा। छत्सीगढ़ राज्य बनने के बाद यह और तेज हो गया।

न्यूज विंडो

चंडीगढ़ बीजेपी ऑफिस पर हमले की खालिस्तानी आतंकी ने ली जिम्मेदारी

चंडीगढ़। भारतीय जनता पार्टी के चंडीगढ़ ऑफिस पर हुए हमले की जिम्मेदारी खालिस्तानी आतंकी ने ली है। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में दावा किया गया कि ग्रेनेड हमला सिख युवकों की हत्या का प्रतिशोध था। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, इस हमले में त्र॥ष्ठ2क्कग्रेनेड का इस्तेमाल किया गया था। इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि एनआईए की एक टीम विस्फोट की जांच के लिए घटनास्थल पर पहुंची। उन्होंने बताया कि विस्फोट शाम करीब पांच बजे हुआ। भाजपा की प्रदेश इकाई के प्रमुख सुनील जाखड़ ने इसे पार्टी कार्यालय पर 'हमला' करार दिया। सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आया है, जिसमें अपने हाथ में हेलमेट लिए हुए एक व्यक्ति हथगोले जैसी वस्तु फेंकता हुआ दिखाई दे रहा है, जबकि दूसरा व्यक्ति इसे रिकॉर्ड कर रहा है। बम फेंके जाने के बाद, दोनों भागने लगे और फिर धमाके की आवाज सुनाई दी। दस सेकंड के वीडियो में उनके चेहरे दिखाई नहीं दे रहे थे। वीडियो की प्रमाणिकता की पुष्टि नहीं हो पाई है।

इंदौर में हाईवे पर लाइटें बंद, चार महीने में हुए 15 हादसे, पांच की मौत

इंदौर। बिचौली हप्सी (बायपास) पर रात फिर हादसा हो गया। तेज रफ्तार से आ रहा ट्रक खड़े ट्रक में घुस गया। हादसा अंधेरे के कारण हुआ है। अब तक इस ब्लैक स्पाट पर 15 से ज्यादा हादसे हो चुके हैं। इनमें पांच की मौत हो चुकी है। इस मामले में टीआई और एसीपी ने नेशनल हाईवे अथारिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) को पत्र भी लिखे लेकिन अधिकारियों की नींद नहीं खुली।कनाड़िया टीआई डॉ. सहर्ष यादव के अनुसार मंगलवार रात करीब दो बजे बिचौली हप्सी क्षेत्र में एक्सीडेंट की सूचना मिली थी। ट्रक खराब हो गया था। चालक ने ब्रिज के समीप ट्रक खड़ा कर दिया था। नेमावर की ओर से आ रहा सफेद रंग का ट्रक टकरा गया। चालक ट्रक के केबिन में ही फंसा रहा गया। ग्रामीण, एफआरवी, एंबुलेंसकर्मियों की मदद से चालक को निकाला और अस्पताल भिजवाया।

आरबीआई के कड़े कदमों से रुपये ने पकड़ी रफ्तार, 93.19 पर पहुंचा

नई दिल्ली। भारतीय रुपये ने ऐतिहासिक निचले स्तर से शानदार वापसी करते हुए गुरुवार को शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 151 पैसे की मजबूत रिकवरी दर्ज की है। यह उछाल मुख्य रूप से भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ओर से 'ऑनशोर फॉरवर्ड डिलीवरी मार्केट' में बैंकों की नेट ओपन पोजीशन को सीमित करने के त्वरित कदम का नतीजा है। हालांकि, भू-राजनीतिक तनाव, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और विदेशी निवेशकों की बिकवाली के कारण मुद्रा बाजार पर अब भी दबाव बना हुआ है। इंटरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में गुरुवार को रुपया 94.62 के स्तर पर खुला और जल्द ही 1.6 प्रतिशत (151 पैसे) की तेज बढ़त के साथ 93.19 के स्तर पर पहुंच गया। गौरतलब है कि इससे पहले शुक्रवार को रुपया डॉलर के मुकाबले 94.84 के ऐतिहासिक निचले स्तर पर बंद हुआ था और सोमवार को इसने 95 का चिंताजनक स्तर भी पार कर लिया था। रुपये की इस भारी गिरावट को रोकने के लिए आरबीआई को सीधा हस्तक्षेप करना पड़ा। केंद्रीय बैंक ने 27 मार्च, 2026 को जारी एक सर्कुलर के माध्यम से बैंकों के लिए भारतीय रुपये पर 'नेट ओपन पोजिशन' की सीमा 10 करोड़ डॉलर तय कर दी है और बैंकों को 10 अप्रैल तक इस नियम का अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है।

सिलेंडर के बढ़ते दामों का असर: दुकानदारों ने चस्पा की नई रेट लिस्ट

महंगाई की आंच में तपने लगे खाने पीने की चीजों के भाव

नई दिल्ली/भोपाल/आगरा, एजेंसी

व्यावसायिक गैस सिलिंडर के दामों में 200 रुपये की बढ़ोतरी कर दी गई है, जिससे पहले से महंगाई की मार झेल रहे लोगों पर अतिरिक्त बोझ पड़ गया है। नई दरें 1 अप्रैल से लागू हो चुकी हैं। इसका सीधा असर होटल, रेस्तरां और कैटरिंग व्यवसाय पर पड़ेगा। व्यवसायियों का कहना है कि गैस की बढ़ती कीमतों के चलते चाय, नाश्ता, थाली और शादी समारोह की कैटरिंग भी महंगी हो जाएगी। कीमत बढ़ते ही कई दुकानदारों ने कचौड़ी, समोसा समेत अन्य खाद्य पदार्थों के नए रेट अपनी दुकानों पर चस्पा कर दिए हैं।

गैस सिलिंडर की कीमतों में इजाफे के साथ-साथ इसकी उपलब्धता भी समय पर नहीं हो पा रही है। सिलिंडर न मिलने से दुकानदारों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में कई कारोबारी अब विकल्प के रूप में डीजल भट्ठियों और इंडक्शन का रुख कर रहे हैं। सेंट जोंस चौराहे स्थित रमन स्वीट हाउस के संचालक रमन गुप्ता ने बताया कि सिलिंडर के लिए तीन से चार दिन तक इंतजार करना पड़ता है, जो उनके व्यवसाय के लिए संभव नहीं है। इसी कारण उन्होंने डीजल भट्टी का ऑर्डर दे दिया है और इंडक्शन के उपयोग पर भी विचार कर रहे हैं। अप्रैल से कचौड़ी, समोसा और बेड़ई के दाम 20 से 30 रुपये कर दिए गए हैं। साथ ही खोया, छैना और मिक्स मिठाई के दाम भी बढ़ाए गए हैं। लागत में लगातार वृद्धि हो रही है। पहले 15 किलो घी का टीन 2300 रुपये में मिलता था, जो अब 2600 रुपये का हो गया है। मसालों के दाम भी बढ़ गए हैं, जिससे कुल लागत पर असर पड़ा है।

कालका मिष्ठान भंडार के संचालक जमुना प्रसाद ने बताया कि उन्होंने समोसे की कीमत में दो रुपये की बढ़ोतरी की है और वे भी डीजल भट्ठी के इस्तेमाल पर विचार कर रहे हैं। जिले में 84 गैस एजेंसियां संचालित हैं, जिनसे करीब 13.57 लाख उपभोक्ता जुड़े हैं।

कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत 2 हजार के पार

ज्ञात हो कि कल कमर्शियल सिलेंडर की कीमतों में 195.50 रुपये की बढ़ोतरी की गई थी। सरकारी तेल कंपनियों के मुताबिक, 19 किलोग्राम के कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत अब दिल्ली में 2,078.50 रुपये हो गई है. इससे पहले 1 मार्च को 19 किलोग्राम सिलेंडर के दाम 114.50 रुपये बढ़ाए गए थे। इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम जैसी सरकारी तेल कंपनियां हर महीने की पहली तारीख को अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क और विनिमय दर के आधार पर एलपीजी और विमानन ईंधन की कीमतों की समीक्षा करती हैं।

दुश्मनों पर रहेगी पैनी नजर

वायुसेना को मिलेगा हाईटेक माउंटेन रडार; 1950 करोड़ रुपये में हुई डील

नई दिल्ली। देश की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए रक्षा मंत्रालय ने एक बड़ा कदम उठाया है। भारतीय वायुसेना के लिए आधुनिक माउंटेन रडार खरीदने का समझौता किया गया है, जिससे पहाड़ी इलाकों में निगरानी और सुरक्षा क्षमता और मजबूत होगी।रक्षा मंत्रालय ने सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के साथ करीब 1950 करोड़ रुपये का बड़ा करार किया है। इस समझौते के तहत भारतीय वायुसेना के लिए दो माउंटेन रडार और उनसे जुड़े उपकरण व इंफ्रास्ट्रक्चर खरीदे जाएंगे। इन रडार की तैनाती और संचालन से देश की एयर डिफेंस क्षमता बढ़ेगी और राष्ट्रीय सुरक्षा को और मजबूती मिलेगी। साथ ही इससे विदेशी उपकरणों पर निर्भरता भी कम होगी।

ये रडार पूरी तरह स्वदेशी तकनीक से बनाए गए हैं। इन्हें डीआरडीओ के इलेक्ट्रॉनिक्स और रडार विकास प्रतिष्ठान ने डिजाइन और विकसित किया है।इनका निर्माण भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड द्वारा किया जाएगा, जिससे देश में रक्षा उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा और 'मेक इन इंडिया' पहल को मजबूती मिलेगी।

नीतीश कुमार की 10 अप्रैल को शपथ, 13 को इस्तीफे की चर्चा!

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को लेकर बड़ा प्रशासनिक और राजनीतिक फैसला सामने आया है। गृह विभाग की अधिसूचना के अनुसार, वे मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देकर राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ लेंगे। इस फैसले ने राज्य की राजनीति में नई हलचल पैदा कर दी है।

न्यूज एजेंसी के मुताबिक, नीतीश कुमार 10 अप्रैल को दिल्ली में राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ ले सकते हैं।इसके बाद 13 अप्रैल को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने की संभावना जताई जा रही है। हालांकि, आधिकारिक तौर पर तारीखों की पुष्टि अभी नहीं हुई है।

जेड+ सिक्योरिटी देने का निर्णय- गृह विभाग ने नीतीश कुमार को जेड+ श्रेणी की सुरक्षा देने का निर्णय लिया है। यह सुरक्षा उन्हें मुख्यमंत्री पद छोड़ने के बाद भी मिलेगी।निर्णय उनकी संवेदनशीलता और राजनीतिक स्थिति को देखते हुए लिया गया है।

बिहार स्पेशल सिक्योरिटी एक्ट के तहत फैसला- सरकार ने यह निर्णय बिहार स्पेशल सिक्योरिटी एक्ट-2000 के तहत लिया है। इस कानून के तहत विशिष्ट व्यक्तियों को खतरे के आकलन के आधार पर सुरक्षा प्रदान की जाती है।गृह विभाग ने समीक्षा के बाद उन्हें इस श्रेणी के योग्य माना है।

कश्मीर में 120 साल पुराना 'पावर प्रोजेक्ट' होगा फिर जिंदा

जम्मू। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत सरकार ने पाकिस्तान के साथ सिंधु जल संधि को स्थगित कर दिया था। अब जम्मू-कश्मीर सरकार राज्य में बिजली परियोजनाओं के काम में तेजी ला रही है। सरकार ने 120 साल पुराने ऐतिहासिक 'मोहरा पावर प्रोजेक्ट' को फिर से शुरू करने की घोषणा की है, जो 1990 के दशक से बंद पड़ा है। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के पास बिजली विभाग का भी प्रभार है। उन्होंने जम्मू-कश्मीर विधानसभा में बताया कि 'जम्मू-कश्मीर स्टेट पावर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन' के निदेशक मंडल ने इस परियोजना को पुनर्जीवित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

मेट्रो एंकर

चीन ने भारत के साथ रिश्तों पर दिया बड़ा बयान

हम ऐसे पड़ोसी हैं जिन्हें अलग नहीं किया जा सकता

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत और चीन के बीच कूटनीतिक संबंधों के 76 साल पूरे होने के मौके पर दोनों देशों के नेताओं और अधिकारियों ने रिश्तों को मजबूत बनाने पर जोर दिया है। इस मौके पर भारत में चीन के राजदूत शू फेहॉन्ग ने कहा कि भारत और चीन ऐसे पड़ोसी हैं जिन्हें अलग नहीं किया जा सकता और दोनों देशों के हित में है कि वे अच्छे पड़ोसी और सहयोगी बनकर आगे बढ़ें। बता दें कि इससे पहले मुंबई में चीन के कोंसुल जनरल किन जिए ने भारत-चीन संबंधों के भविष्य को लेकर आशावाद जताया था।

राजदूत शू फेहॉन्ग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि दोनों देशों को 'अच्छे पड़ोसी दोस्त और ऐसे साझेदार बनना चाहिए जो एक-दूसरे की सफलता में मदद करें।' उन्होंने इसे 'ड्रैगन-एलीफेंट टैंगो' की सोच को साकार करने का रास्ता बताया। साथ ही राजदूत ने कहा कि चीन भारत के साथ रणनीतिक तालमेल बढ़ाने, विभिन्न क्षेत्रों में व्यावहारिक सहयोग गहरा करने और लोगों के बीच संपर्क को मजबूत करने के लिए तैयार है। उन्होंने यह भी कहा कि ग्लोबल साउथ के हितों को आगे बढ़ाने के लिए बहुपक्षीय मंचों पर दोनों देशों के बीच बेहतर तालमेल जरूरी है।

चीन का भारत की तरफ दोस्ती का हाथ बढ़ाना एक सोची-समझी कूटनीतिक रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। सीमा विवाद के कारण लंबे समय से दोनों देशों के रिश्तों में तनाव रहा है, इसलिए चीन माहौल को नरम कर बातचीत और स्थिरता की दिशा में बढ़ना चाहता है। दूसरी बड़ी वजह वैश्विक राजनीति है। अमेरिका और पश्चिमी देशों के बढ़ते दबाव के बीच चीन चाहता है कि भारत उसके साथ संतुलन बनाए रखे, न कि पूरी तरह पश्चिमी खेमे में जाए। कुल मिलाकर, शी जिनपिंग के नेतृत्व में चीन टकराव कम कर अपने हित सुरक्षित करने और क्षेत्र में स्थिरता दिखाने की रणनीति अपना रहा है।

दोनों देशों के लोगों, वैश्विक स्थिरता के लिए अच्छा संकेत

इससे पहले मुंबई में चीन के कोंसुल जनरल किन जिए ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकातों का जिक्र करते हुए कहा था कि पिछले 2 सालों में दोनों नेताओं की 2 बार मुलाकात हुई है और रिश्ते सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा था, 'हमारे नेताओं के मार्गदर्शन में भारत-चीन संबंध सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। यह दोनों देशों के लोगों और वैश्विक स्थिरता के लिए अच्छा संकेत है।' किन जिए ने इस साल भारत में होने वाले BRICS शिखर सम्मेलन को भी अहम अवसर बताते हुए कहा कि इससे दोनों देशों के आपसी संबंध और मजबूत होंगे।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया** **स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564